राष्ट्रीय शिविर में हकेवि के स्वयंसेवको ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्तरीय यूथ रेडक्रॉस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी चंडीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी केशव, उत्कर्ष, कौशल, अनमोल और किरण शामिल हुए। इस टीम का नेतृत्व डॉ. प्रदीप ने किया। विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया की पांच दिवसीय इस शिविर का आयोजन कुरूक्षेत्र स्थित गीता ज्ञान संस्थान में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और नाटक प्रतियोगिता द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस शिविर में प्रतिभागियों को विशेष रूप रेडक्रॉस सोसायटी के इतिहास की जानकारी देने के साथ-साथ गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन में बदलाव और उसे सफल बनाने का मार्ग दिखाया गया। इस शिविर में प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्र की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। शिविर में साइबर सुरक्षा पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा रेडक्रॉस के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल और चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता और कैम्प निदेशक रोहित शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद हकेवि के स्वयंसेवक।

हंकेवि में कविता शीर्षक कार्यक्रम का आयोजन

हकेवि में कविता कार्यकम में विजेताओं को पुरस्कृत करते प्रयाग शुक्ल ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग द्वारा रेख्ता फाउंडेशन के उपक्रम हिंदवी के सहयोग से कैंपस में कविता शीर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवि, कला समीक्षक, रंगमंच और सिनेमा के सिद्धहस्त प्रयाग शुक्ल ने की। सम्मकालीन विषयों और हरियाणवी पर पकड़ रखने वाली कवयित्री विपिन चौधरी एवं सोशल मीडिया के चर्चित चेहरे और नई पीढ़ी के कवि अनुराग अनंत भी इसमें शामिल हुए। समन्वयक हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. बीर पाल सिंह यादव रहे। विभाग की सह आचार्य डा. कमलेश कुमारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्वागत भाषण विभाग के सह आचार्य डा. कामराज सिंधु ने प्रस्तुत किया।

यूथ रेडक्रास शिविर में हकेंवि के स्वयंसेवकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद हकेंवि के स्वयंसेवक • सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्तरीय यूथ रेडक्रास शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हरियाणा राज्य रेडक्रास सोसायटी चंडीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी केशव, उत्कर्ष, कौशल, अनमोल और किरण शामिल हुए। इस टीम का नेतृत्व डा. प्रदीप ने किया। विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रास इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल ने बताया कि पांच दिवसीय इस शिविर का आयोजन कुरुक्षेत्र स्थित गीता ज्ञान संस्थान में किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की टीम ने एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और नाटक प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को रेडक्रास सोसायटी के इतिहास की जानकारी देने के साथ-साथ गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन में बदलाव और उसे सफल बनाने का मार्ग दिखाया गया। इस शिविर में प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्र की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। शिविर में साइबर सुरक्षा पर एक सत्र आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय शिविर में हकेवि के स्वयंसेवको ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्तरीय यूथ रेडक्रॉस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसाइटी चंडीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस पाँच दिवसीय शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी केशव,उत्कर्ष, कौशल, अनमोल और किरण शामिल हुए। इस टीम का नेतृत्व डॉ. प्रदीप ने किया। विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया की पाँच दिवसीय इस शिविर का आयोजन कुरूक्षेत्र स्थित गीता ज्ञान संस्थान में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और नाटक प्रतियोगिता द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस शिविर में प्रतिभागियों को विशेष रूप रेडक्रॉस सोसायटी के इतिहास की जानकारी देने के साथ-साथ गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन में बदलाव और उसे सफल बनाने का मार्ग दिखाया गया। इस शिविर में प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्र की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। शिविर में साइबर सुरक्षा पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा रेडक्रॉस के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल और चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता और कैम्प निदेशक रोहित शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी।

राष्ट्रीय स्तरीय यूथ रैडक्रॉस शिविर

स्वयंसेवकों को गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन में बदलाव, सफल बनने का मार्ग दिखाया

राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित करने का दृश्य।

राष्ट्रीय शिविर में हकेंवि के स्वयंसेवकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़, 31 मार्च (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय स्तरीय यूथ रैडक्रॉस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

हरियाणा राज्य रैडक्रॉस सोसाइटी चंडीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित इस 5 दिवसीय शिविर में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी केशव, उत्कर्ष, कौशल, अनमोल और किरण शामिल हुए। इस टीम का नेतृत्व डॉ. प्रदीप ने किया।

विश्वविद्यालय में यूथ रैडक्रॉस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि 5 दिवसीय इस शिविर का आयोजन कुरुक्षेत्र स्थित गीता ज्ञान संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और नाटक प्रतियोगिता द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस शिविर में प्रतिभागियों को विशेष रूप रैडक्रॉस सोसायटी के इतिहास की जानकारी देने के साथ-साथ गीता के उपदेशों के माध्यम से जीवन में बदलाव और उसे सफल बनाने का मार्ग दिखाया गया। इस शिविर में प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा व अग्निशामक यंत्र की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई।

शिविर में साइबर सुरक्षा पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा रैडक्रॉस के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल और चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता और कैम्प निदेशक रोहित शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

स्वाति राव को एम.फिल परीक्षा में स्टडी ऑफ एक्सीलैंस अवार्ड के साथ मिला स्वर्ण पदक

छात्रा स्वाति राव को सम्मानित करने का दृश्य।

महेंद्रगढ़ (परमजीत/मोहन): क्षेत्र के गांव आकोदा निवासी स्वाति राव को एम.फिल परीक्षा में स्टडी ऑफ एक्सीलैंस अवार्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया है।

इस खबर से गांव आकोदा और उनके परिवार में खुशी की लहर है। स्वाति राव को बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली में मुख्यातिथियों द्वारा एम.फिल की डिग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर स्वाति राव को डिग्री के साथ गोल्ड मैडल एवं स्टडी ऑफ एक्सीलैंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इतिहास एवं पुरातत्व विज्ञान में एम.फिल डिग्री हासिल करने के बाद स्वाति राव सियूएच जाट पाली से हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी विषय में पीएच.डी. की पढ़ाई कर रही है। छात्रा स्वाति की इस उपलब्धि पर संपूर्ण गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

स्वाति राव ने इसका पूरा श्रेय अपने गुरुजनों व माता-पिता को देते हुए बताया कि हर विद्यार्थी को एकाग्र होकर पढ़ना चाहिए। कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। बच्चों को मन लगाकर पढ़ना चाहिए। ग्रामीणों के अनुसार स्वाति राव बचपन से ही पढ़ाई के प्रति काफी गंभीर रही है। स्वाति के छोटा भाई आशु राव का भी पिछले लगभग 3 वर्ष पहले हरियाणा पुलिस में सब इंस्पैक्टर के पद पर चयन हुआ था।

तनाव से नहीं बच सकते, कर सकते हैं प्रबंधन

हकेंवि में तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन, आईबीआरओ और दाना फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे खानपान के अतिरिक्त हमारी दिनचर्या का प्रभाव भी हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क के लिए हमें शारीरिक व्यायाम, उचित आहार, पर्याप्त नींद लेनी चाहिए।

जीवन शैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता डॉ. राजेश मेहरा का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजेश मेहरा नेतनाव के अर्थ और दैनिक जीवन में तनाव को प्रबंधित करने के तरीकों पर जोर दिया। कोई भी तनाव से बच नहीं सकता है लेकिन हर कोई तनाव का प्रबंधन कर सकता है। विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक प्रो. डॉ. अजय पाल ने कैसे योग आपके मस्तिष्क को बदलता है विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट और पाली के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित लगभग 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्रो. विनोद कुमार, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. राजन कुमार साहू, प्रो. गौरव सिंह, डॉ. रवि कुमार, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी शामिल हुए।

हकेवि में तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरुकता कार्यक्रम की हुई शुरुआत

स्वस्थ मस्तिष्क के लिए व्यायाम, उचित आहार जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और दाना फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। हमारे खानपान के अतिरिक्त हमारी दिनचर्या का प्रभाव भी हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है। इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क के लिए हमें शारीरिक व्यायाम, उचित आहार, पर्याप्त नींद लेनी चाहिए।

कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया। विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगडा ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में तनाव प्रबंधन कार्यशाला, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, योग सत्र, नुक्कड़-नाटक, स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिता आदि अनेक गतिविधियां का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजेश मेहरा ने तनाव प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा करते हुए तनाव के अर्थ और दैनिक जीवन में तनाव को प्रबंधित करने के तरीकों पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय पाल ने 'कैसे योग आपके मस्तिष्क को बदलता है' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने योग के महत्व, योग के प्रकार और मानव शरीर और मन पर योग के लाभकारी प्रभावों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुमित ने समापन टिप्पणी प्रस्तुत की। ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट और पाली के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित लगभग ९०० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्रो. विनोद कुमार, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. राजन कुमार साहू, प्रो. गौरव सिंह, डॉ. रवि कुमार, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी शामिल हुए।

स्वस्थ मस्तिष्क के लिए लें पर्याप्त नींद : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आइबीआरओ) और दाना फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे खानपान के अतिरिक्त हमारी दिनचर्या का प्रभाव भी हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है, इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क के लिए हमें शारीरिक व्यायाम, उचित आहार

हकेंवि में मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम के उदघाटन समारोह को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ.हकेंवि प्रवक्ता

और पर्याप्त नींद लेनी चाहिए।

'जीवनशैली विकल्प और मस्तिष्क स्वास्थ्य' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक डा. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया तथा तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. अशोक जांगडा ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में तनाव प्रबंधन कार्यशाला, अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, योग सत्र, स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिता आदि कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। विशेषज्ञ वक्ता डा. राजेश मेहरा ने तनाव प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा करते हुए तनाव के अर्थ और दैनिक जीवन में तनाव को प्रबंधित करने के तरीकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी तनाव से बच नहीं सकता है, लेकिन हर कोई तनाव का प्रबंधन कर सकता है।

विश्वविद्यालय के योग विभाग में सहायक प्रोफेसर डा. अजय पाल ने 'कैसे योग आपके मस्तिष्क को बदलता है' विषय पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने योग के महत्व, प्रकार और मानव शरीर और मन पर योग के लाभकारी प्रभावों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में विभाग में सहायक आचार्य डा. सुमित ने समापन टिप्पणी प्रस्तुत की। आफलाइन व आनलाइन मोड में आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट और पाली के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विनोद कुमार, पवन मौर्य, राजन कुमार साहु, प्रो. गौरव सिंह, डा. रवि कुमार, डा. तरुण कुमार, डा. मनीषा पांडे और डा. पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी शामिल हुए।

हकेंवि में तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम

■ छात्रों एवं शिक्षकों सहित 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) व दाना फाउंडेशन यूएसए के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे खानपान के अतिरिक्त हमारी दिनचर्या का प्रभाव भी हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है। इसलिए स्वस्थ मस्तिष्क के लिए हमें शारीरिक व्यायाम, उचित आहार, पर्याप्त नींद लेनी चाहिए।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. डॉ. अजय पाल ने कैसे योग आपके मस्तिष्क को बदलता है विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने योग के महत्व, योग के प्रकार और मानव शरीर तथा मन पर योग के लाभकारी प्रभावों से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाट व पाली के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित लगभग 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

महेंद्रगढ़। डॉ. राजेश मेहरा का स्वागत करते कुलपति। फोटो: हरिभूमि

A Three days Brain Awareness Program inaugurated in Central university of Haryana

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A three days brain awareness week is being organized by Department of Pharmaceutical sciences at Central university of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice- Chancellor of the University inaugurated the event entitle “Life style choices and Brain health”. This awareness week is sponsored by International Brain research organization (IBRO) and DANA foundation, USA. This event is conducted under IBRO-BAW grant received by Dr. Ashok Jangra, Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, CUH. The welcome address was given by Dean SIAS Prof. Neelam Sangwan and Dr. Dinesh Kumar Head of Department of P’ceutical Sciences. Dr. Jangra told that this 3 day event will have numerous activities like stress management workshop, international seminar, Yoga session, Nukad-natak, slogan and poster competition etc. The first speaker Dr. Rajesh Mehra delivered his talk on stress management, emphasizing meaning of stress and ways to manage stress in daily life. He clearly stated that no one can escape stress but everyone can manage stress.

हकेवि में अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम का हुआ समापन

नीरज कौशिक

मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के समापन सत्र के दौरान उपस्थित शिक्षक व विजेता प्रतिभागी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को सभी सहभागियों के लिए उपयोगी बताया और इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने इस कार्यक्रम के लिए 1250 अमेरिकी डॉलर अनुदान देने के लिए आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने सेमिनार का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में एनआईपीईआर रायबरेली के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अशोक कुमार दाथुसलिया ने ब्रेन न्यूरॉन्स सेंसेशन के समावेश के बारे में विस्तार से चर्चा की।

तत्पश्चात, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के डॉ. देवेंद्र अरोड़ा ने प्रतिभागियों को ह्वद रोड टू ए हेल्दी ब्रेनह्व विषय पर अपनी बात रखी। एनआईपीईआर मोहाली के पर्यावरण औषध विशेषज्ञ प्रो. श्याम सुंदर शर्मा ने ह्वब्रेन स्ट्रोकह्व के लिए जिम्मेदार जोखिम कारकों पर बात की। समापन समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रोफेसर नीलम सांगवान और औषधि विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए। डॉ. दिनेश कुमार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के साथ-साथ आसपास के गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और अपने छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए स्कूलों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। समापन सत्र के अंत में डॉ. दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया और मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए डॉ. अशोक जांगड़ा को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

महेंद्रगढ़| हकेंवि महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2023 कर दी है। हकेंवि 12 स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा यूजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यूजीसी के निर्देशानुसार एनटीए ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से ओपन किया है। अब और अधिक अभ्यर्थी सीयूईटी में प्रतिभागिता कर पाएंगे। स्नातक स्तर पर बी.वॉक. के तीन, बी.टेक. के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी., बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजी., बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी, एम.एससी भौतिकी, बी.एससी मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए, बीएड शामिल है। आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी 11 अप्रैल 2023 रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित जानकारी www.nta.ac.in, https://cuet.samarth .ac.in/ पर उपलब्ध है।

हकेवि में अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क जागरुकता कार्यक्रम का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | हकेवि के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ ।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने इस कार्यक्रम के लिए 1250 अमेरिकी डॉलर अनुदान देने के लिए आईबीआरओ- दाना फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने सेमिनार का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में एनआईपीईआर रायबरेली के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अशोक कुमार दाथुसलिया ने ब्रेन न्यूरॉन्स सेंसेशन के समावेश के बारे में विस्तार से चर्चा की। तत्पश्चात, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के डॉ. देवेंद्र अरोड़ा ने प्रतिभागियों को 'द रोड टू ए हेल्दी ब्रेन' विषय पर अपनी बात रखी। एनआईपीईआर मोहाली के पर्यावरण औषध विशेषज्ञ प्रो. श्याम सुंदर शर्मा ने 'ब्रेन स्ट्रोक' के लिए जिम्मेदार जोखिम कारकों पर बात की। समापन समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के

प्रमाण पत्र प्रदान किए : कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रोफेसर नीलम सांगवान और औषधि विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए। डॉ. दिनेश कुमार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के साथ-साथ आसपास के गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और अपने छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए स्कूलों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के समापन सत्र के दौरान उपस्थित शिक्षक व विजेता प्रतिभागी ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को सभी सहभागियों के लिए उपयोगी बताया और इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. अशोक जांगड़ा ने इस कार्यक्रम के लिए 1250 अमेरिकी डालर अनुदान देने के लिए आइबीआरओ-दाना फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने सेमिनार का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में एनआइपीईआर रायबरेली के विशेषज्ञ वक्ता डा. अशोक कुमार दाथुसलिया ने ब्रेन न्यूरान्स सेंसेशन के समावेश के बारे में विस्तार से चर्चा की।

तत्पश्चात, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के डा. देवेंद्र अरोड़ा ने प्रतिभागियों को 'द रोड टू ए हेल्दी ब्रेन' विषय पर अपनी बात रखी। एनआइपीईआर मोहाली के पर्यावरण औषध विशेषज्ञ प्रो. श्याम सुंदर शर्मा ने 'ब्रेन स्ट्रोक' के लिए जिम्मेदार जोखिम कारकों पर बात की। समापन समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रोफेसर नीलम सांगवान और औषधि विज्ञान विभाग के प्रमुख डा. दिनेश कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए। डा. दिनेश कुमार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के साथ-साथ आसपास के गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और अपने छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए स्कूलों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। समापन सत्र के अंत में डा. दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया और मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए डा. अशोक जांगड़ा को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

स्नातक विषय के लिए आनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि रिओपन करते हुए 11 अप्रैल कर दी गई है। इस सत्र में हकेंवि 12 स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सीयूईटी के प्रति अभ्यर्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन (यूजीसी) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से खोला गया है। नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। .

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बीवाक के तीन, बीटेक के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बीएससी (आनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि इनमें बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवाक बायोमेडिकल साइंसेज, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी रसायन विज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससी,एमएससी भौतिकी, बीएससी (आनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए-बीएड शामिल हैं।

ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

- विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला
- तीन दिन के लिए पुनः आरंभ हुई आवेदन प्रक्रिया मंगलवार रात हो जाएगी समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि रिओपन करते हुए 11 अप्रैल कर दी गई है। इस सत्र में हकेवि 12 स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी-2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सीयूईटी के प्रति अभ्यर्थियों के

उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन (यूजीसी) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से ओपन किया है। इस अवसर के उपलब्ध होने से अब और अधिक अभ्यर्थी सीयूईटी में प्रतिभागिता कर पाएंगे। नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बीवॉक के तीन, बीटेक के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इनमें बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बीवॉक बायोमेडिकल साइंसेज, बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बीटेक इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बीएससी एम एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बीएससीएमएससी गणित, इंटीग्रेटेड बीएससीएम एससी भौतिकी,बी एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए बीएड शामिल है। आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी 11 अप्रैल की रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

जागरूकता सप्ताह का आयोजन

- हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को सभी सहभागियों के लिए उपयोगी बताया और इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

महेंद्रगढ़। समापन सत्र के दौरान उपस्थित शिक्षक व विजेता प्रतिभागी।

कार्यक्रम आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने इस कार्यक्रम के लिए 1250 अमेरिकी डॉलर अनुदान देने के लिए आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने सेमिनार का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में एनआईपीईआर रायबरेली के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अशोक कुमार दाथुसलिया ने ब्रेन न्यूरॉन्स सेंसेशन के समावेश के बारे में विस्तार से चर्चा की।

Last Date of online application for UG Programmes is today

Sanjeev Kumar
info @impressivetimescom

MAHENDARGARH : Online application process for admission to undergraduate (UG)programmesin the academic session 2023-24 in Central University of Haryana(CUH), Mahendergarhwill end on 11th April, 2023. In this session CUH is offering admission in 12 undergraduate programmesunder Common University Entrance Test (CUET) UG 2023. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University said that in view of the enthusiasm of the candidates towards CUET, the National Testing Agency (NTA) has re-opened the registration process for undergraduate programmesas per the directions of the University Grants Commission (UGC). With the availability of this opportunity, more candidates will now be able to appear in CUET. Welcome to

AT THE GRADUATION LEVEL UNDER THE SESSION 2023-24 IN THE UNIVERSITY FOURB.TECH. PROGRAMMES, THREE B. VOC. AND FOUR INTEGRATED BSC.M.SC. AND B.SC (HONS.) PSYCHOLOGY PROGRAMMESARE AVAILABLE.

the students seeking admission in the new session. The University is striving for the all-round development of the students keeping in view the goal of the National Education Policy-2020. At the graduation level under the session 2023-24 in the University fourB. Tech. programmes, three B. Voc. and four integrated BSc.M.Sc. and B.Sc (Hons.) Psychology programmesare available. In these B.Voc Retail & Logistics Management, B.Voc. Biomedical Sciences, B.Voc. Industrial Waste Management, B.Tech. Computer Science & Engineering, B.Tech. Electrical Engineering, B.Tech. Civil Engineering, B.Tech. Printing and Packaging, Integrated B.Sc.M.Sc Chemistry, Integrated B.Sc.M.Sc Mathematics, Integrated B.Sc.M.Sc Physics, B.Sc (Hons) Psychology and four year B.A.B.Ed are included. Students can apply online application form by 11.59 pm on April 11, 2023. The application and detailed information related to it is available at www.cuetsamarth.nic.in and www.nta.ac.in

आगाज सोमवार से हुआ है। सिंह द्वारा हीर रांझा व सांगी सूरजभान उर्फ सूरज बेदी द्वारा धर्म देवी नाबहार सांग को प्रस्तुत की जाएगी।

हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता कार्यक्रम का समापन

महेंद्रगढ़, 10 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के औषधि विज्ञान विभाग द्वारा आई.बी.आर.ओ.-दाना फाऊंडेशन द्वारा वित्त पोषित 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को सभी सहभागियों के लिए उपयोगी बताया और इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने इस कार्यक्रम के लिए 1250 अमरीकी डॉलर अनुदान देने के लिए आई.बी.आर.ओ.-दाना फाऊंडेशन को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने सैमिनार का उद्घाटन किया और स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने संबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन में एन.आई.पी.ई.आर. रायबरेली के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. अशोक कुमार दाथुसलिया ने ब्रेन न्यूरॉन्स सैंसेशन के समावेश के बारे में विस्तार से चर्चा की।

मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के समापन सत्र के दौरान उपस्थित शिक्षक व विजेता प्रतिभागी। (मोहन)

तत्पश्चात, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के डॉ. देवेंद्र अरोड़ा ने प्रतिभागियों को 'द रोड टू ए हैल्दी ब्रेन' विषय पर अपनी बात रखी। एन.आई.पी.ई.आर. मोहाली के पर्यावरण औषध विशेषज्ञ प्रो. श्याम सुंदर शर्मा ने 'ब्रेन स्ट्रोक' के लिए जिम्मेदार जोखिम कारकों पर बात की। समापन समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम के अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रो. नीलम सांगवान और औषधि विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए। डॉ. दिनेश कुमार ने 3 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के साथ-साथ आसपास के गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और अपने छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए स्कूलों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया।

समापन सत्र के अंत में डॉ. दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया और मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के आयोजन के लिए डॉ. अशोक जांगड़ा को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आई.बी.आर.ओ.-दाना फाऊंडेशन और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि रीओपन करते हुए 11 अप्रैल कर दी गई है। इस सत्र में हकेंवि 12 स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) यूजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सी.यू.ई.टी. के प्रति अभ्यर्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन (यूजीसी) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से ओपन किया है। इस अवसर के उपलब्ध होने से अब और अधिक अभ्यर्थी सी.यू.ई.टी. में प्रतिभागिता कर पाएंगे।

CMYK

विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला

महेन्द्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि रिओपन करते हुए 11 अप्रैल 2023 कर दी गई है। इस सत्र में हकेवि 12 स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सीयूईटी के प्रति अभ्यर्थियों के उत्साह को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन (यूजीसी) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को फिर से ओपन किया है। इस अवसर के उपलब्ध होने से अब और अधिक अभ्यर्थी सीयूईटी में प्रतिभागिता कर पाएंगे। नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.वॉक. के तीन, बी.टेक. के चार तथा इंटीग्रेटेड के चार तथा बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

इनमें बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज, बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग, बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग, बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी रसायनविज्ञान, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी गणित, इंटीग्रेटेड बी.एससी.एम.एससी भौतिकी, बी.एससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान व चार वर्षीय बीए.बीएड शामिल हैं।

विश्व कल्याण हेतु समर्पित युवाओं के निर्माण में योगदान देगा हकेवि

■ द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य के साथ हुआ समझौता ज्ञापन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ युवाओं को मानवता की बेहतरी हेतु शिक्षित करने के लिए अब द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के राज्य कोषाध्यक्ष व महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. गुप्ता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि हम विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ देश, समाज व विश्व कल्याण हेतु सक्षम बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। इस दिशा में द भारत स्काउट एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई की ओर से मिला सहयोग अवश्य ही उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स यूनिट्स की शुरूआत एक अच्छा प्रयास है। यह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों को गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देने वाला प्रयास है।

प्रो. आर.के. गुप्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के प्रयासों को युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक बताया और इस दिशा में प्रो. आर.के. गुप्ता के सहयोग से हो रही शुरूआत के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. आर.के. गुप्ता ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जो कि हमारी संस्था के साथ मिलकर विश्वविद्यालय स्तर पर रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट के गठन की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि आज हुए समझौता ज्ञापन के बाद इच्छुक विद्यार्थियों में छात्र-छात्राओं के स्तर पर अलग-अलग 50-50 की संख्या में यूनिटों का गठन किया जाएगा। इन यूनिटों को सर्वप्रथम तीन दिन का विश्वविद्यालय स्तर पर संस्था की स्थानीय इकाई के प्रतिनिधियों के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

तत्पश्चात उनके लिए अंबाला व तारा देवी स्थित प्रशिक्षण शिविरों में ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। प्रो. गुप्ता ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके सहयोग से यह प्रयास युवाओं को सक्षम, सबल व समर्पित नागरिक बनाने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर संस्था के स्टेट ट्रेनिंग कमिशनर श्री एल.एस. वर्मा ने संस्था की कार्यप्रणाली व उसके उद्देश्य से अवगत कराया।

स्कूली विद्यार्थियों को हकेवि ने कराया सुपरब्रेन योगा का अभ्यास

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग की ओर से स्थानीय राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को तनाव कम करने व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने हेतु सुपरब्रेन योगा का अभ्यास कराया गया। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग के साथ मिलकर आयोजित इस विशेष योग सत्र में योग विभाग के डॉ. अजयपाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विशेषज्ञ अंतर्राष्ट्रीय योग शिक्षक श्री चरत निर्बन का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

विश्वविद्यालय में आईबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस गतिविधि के संदर्भ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि हमारी टीम का उद्देश्य इस योग सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उन जीवन शैली से जुड़ें विषयों से अवगत कराना है, जिनका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न स्थानीय स्कूलों में स्लोगन, पिक्चर व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जांट, मालड़ा बांस, पाली के राजकीय विद्यालय व मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व दिल्ली पब्लिक स्कूल के साथ-साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। स्कूल के कार्यक्रमों का समन्वयन डॉ. रवि कुमार, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. नवीन और डॉ. विकास सिवाच द्वारा किया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "पिलर्स ऑफ ब्रेन हेल्थ" विषय पर पोस्टर और स्लोगन चित्र प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसी क्रम में जांट गांव में डॉ. सुमित कुमार के नेतृत्व में नुक्कड़ नाटक भी किया गया।

योगाभ्यास करते विद्यार्थी। आज समाज

विश्व कल्याण के लिए समर्पित युवाओं के निर्माण में योगदान देगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ युवाओं को मानवता की बेहतरी के लिए शिक्षित करने के लिए अब द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के राज्य कोषाध्यक्ष व महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. गुप्ता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि हम विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ देश, समाज व विश्व कल्याण हेतु सक्षम बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। इस दिशा में द भारत स्काउट एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई की ओर से मिला सहयोग अवश्य ही उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगा। संस्था के स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर एल.एस. वर्मा ने संस्था की कार्यप्रणाली व उसके उद्देश्य से अवगत कराया। बताया संस्था किस तरह से देश विदेश में कार्य कर रही है । इससे पूर्व में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. दिनेश चहल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, औषध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. नंद किशोर सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य के साथ हुआ समझौता ज्ञापन

विश्व कल्याण के लिए समर्पित युवाओं के निर्माण में योगदान देगा हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ युवाओं को मानवता की बेहतरी के लिए अब द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के राज्य कोषाध्यक्ष व महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके गुप्ता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि हम विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ देश, समाज व विश्व कल्याण के लिए सक्षम बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। इस दिशा में द भारत स्काउट एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई की ओर से मिला सहयोग अवश्य ही उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स यूनिट की शुरुआत एक अच्छा प्रयास है। यह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों को गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देने वाला प्रयास है। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. आरके गुप्ता ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जो कि हमारी संस्था के साथ मिलकर विश्वविद्यालय स्तर पर रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट के गठन की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि आज हुए समझौता ज्ञापन के बाद इच्छुक विद्यार्थियों में छात्र-छात्राओं के स्तर पर अलग-अलग 50-50 की संख्या में यूनिटों का गठन किया जाएगा। इन यूनिटों को सर्वप्रथम तीन दिन का विश्वविद्यालय स्तर पर संस्था की स्थानीय इकाई के प्रतिनिधियों के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तत्पश्चात अंबाला व तारा देवी स्थित प्रशिक्षण शिविरों में ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। प्रो. गुप्ता ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके सहयोग से यह प्रयास युवाओं को सक्षम, सबल व समर्पित नागरिक बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर संस्था के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त एलएस वर्मा ने संस्था की कार्यप्रणाली व उसके उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संस्था किस तरह से देश विदेश में कार्य कर रही है और उन्होंने संस्था से जुड़े विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई।

स्कूली विद्यार्थियों को हकेंवि ने कराया सुपरब्रेन योगा का अभ्यास

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग की ओर से स्थानीय राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को तनाव कम करने व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सुपरब्रेन योगा का अभ्यास कराया गया। विश्वविद्यालय के औषध विज्ञान विभाग के साथ मिलकर आयोजित इस विशेष योग सत्र में योग विभाग के डा. अजयपाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय योग शिक्षक चरत निर्बन का परिचय प्रतिभागियों से कराया। विश्वविद्यालय में आइबीआरओ-दाना फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित मस्तिष्क जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस गतिविधि के संदर्भ में कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. अशोक जांगड़ा ने बताया कि हमारी टीम का उद्देश्य इस योग सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को उन जीवन शैली से जुड़े विषयों से अवगत कराना है, जिनका प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

इस प्रयास के अंतर्गत विभिन्न स्थानीय स्कूलों में स्लोगन, पिक्चर व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जाट, मालड़ा बांस, पाली के राजकीय विद्यालय व माडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व दिल्ली पब्लिक स्कूल के साथ-साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। स्कूल के कार्यक्रमों का समन्वयन डा. रवि कुमार, डा. तरुण कुमार, डा. नवीन और डा. विकास सिवाच द्वारा किया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'पिलर्स ऑफ ब्रेन हेल्थ' विषय पर पोस्टर और स्लोगन चित्र प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसी क्रम में जाट गांव में डा. सुमित कुमार के नेतृत्व में नुक्कड़ नाटक भी किया गया।

विश्व कल्याण हेतु समर्पित युवाओं के निर्माण में योगदान देगा हकेवि

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेन्द्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ युवाओं को मानवता की बेहतरी हेतु शिक्षित करने के लिए अब द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस उद्देश्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई के राज्य कोषाध्यक्ष व महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. गुप्ता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि हम विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ देश, समाज व विश्व कल्याण हेतु सक्षम बनाने का कार्य भी कर रहे हैं। इस दिशा में द भारत स्काउट एंड गाइड्स हरियाणा राज्य इकाई की ओर से मिला सहयोग अवश्य ही उल्लेखनीय परिणाम प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर स्काउट्स एंड गाइड्स यूनिट्स की शुरुआत एक अच्छा प्रयास है। यह मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों को गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देने वाला प्रयास है। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर इस तरह के प्रयासों को युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक बताया और इस दिशा में प्रो. आर.के. गुप्ता के सहयोग से हो रही शुरुआत के लिए उनका आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. आर.के. गुप्ता ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है जो कि हमारी संस्था के साथ मिलकर विश्वविद्यालय स्तर पर रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट के गठन की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि आज हुए समझौता ज्ञापन के बाद इच्छुक विद्यार्थियों में छात्र-छात्राओं के स्तर पर अलग-अलग 50-50 की संख्या में यूनिटों का गठन किया जाएगा। इन यूनिटों को सर्वप्रथम तीन दिन का विश्वविद्यालय स्तर पर संस्था की स्थानीय इकाई के प्रतिनिधियों के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तत्पश्चात उनके लिए अंबाला व तारा देवी स्थित प्रशिक्षण शिविरों में ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। प्रो. गुप्ता ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की सराहना करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके सहयोग से यह प्रयास युवाओं को सक्षम, सबल व समर्पित नागरिक बनाने में मददगार साबित होगा।

इस अवसर पर संस्था के स्टेट ट्रेनिंग कमिशनर श्री एल.एस. वर्मा ने संस्था की कार्यप्रणाली व उसके उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि संस्था किस तरह से देश विदेश में कार्य कर रही है और उन्होंने संस्था से जुड़े विभिन्न कार्यकलापों की जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई। इससे पूर्व में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. दिनेश चहल ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि अवश्य ही इस साझेदारी के माध्यम से देश, समाज व विश्व कल्याण के प्रति समर्पित युवाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, औषध विज्ञान विभाग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. नंद किशोर सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

CUH signed MoU with Bharat Scouts and Guides, Haryana State

Nidhi Priya
info@impressivetimes.com

HE SAID THAT AFTER THE MOU SIGNED TODAY, SEPARATE 50-50 UNITS WILL BE FORMED AMONG THE INTERESTED STUDENTS AT THE LEVEL OF MALE AND FEMALE STUDENTS. THESE UNITS WILL FIRST BE PROVIDED TRAINING FOR THREE DAYS AT THE UNIVERSITY LEVEL WITH THE HELP OF THE REPRESENTATIVES OF THE LOCAL UNIT OF THE ORGANIZATION.

MAHENDRAGARH : Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh will now work in collaboration with the Bharat Scouts and Guides Haryana State Unit to educate the youth for the betterment of humanity. Keeping in mind the objective of this achievement, on Tuesday, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar, in the presence of Registrar Prof. Sunil Kumar and State Treasurer of The Bharat Scouts and Guides Haryana State Unit and Vice Chancellor of Maharaja Agrasen University Prof. R.K. Gupta signed the MoU. On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar said that it is a matter of pride for the University that along with educating the students, we are also doing the work of making them capable for the welfare of the country, society and the world. In this direction, the cooperation received from The Bharat Scouts and Guides Haryana State Unit will definitely provide remarkable results. Prof. Tankeshwar Kumar said that the beginning of Scouts and Guides units at the University level is a good effort. It is an endeavor to impart value based education and give opportunity to the students to learn through activities. He called such efforts at the University level essential for the all-round development of the youth and in this direction expressed his gratitude to Prof. R.K. Gupta for his cooperation in starting this endeavor. Prof. R.K. Gupta said that Central University of Haryana is the first University in the state, which in collaboration with our organization has taken the lead in forming Rovers and Rangers Unit at the University level. He said that after the MoU signed today, separate 50-50 units will be formed among the interested students at the level of male and female students. These units will first be provided training for three days at the University level with the help of the representatives of the local unit of the organization. After that training will be arranged for them in the training camps located at Ambala and Tara Devi. On this occasion Prof. Gupta while appreciating the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar said that with his co-operation, this effort will prove to be helpful in making the youth capable, strong and dedicated citizens. On this occasion, the State Training Commissioner of the organization, Mr. L.S. Verma apprised about the functioning and objectives of the organization. He told how the organization is working within the country and abroad and he made available information about various activities related to the organization to the students. Earlier, the Dean of School of Education, Prof. Sarika Sharma gave the welcome address. At the end of the program Prof. Dinesh Chahal thanked and said that definitely through this partnership, the way will be paved for the creation of youth dedicated to the welfare of the country, society and the world. On this occasion, the Registrar of the University, Prof. Sunil Kumar, Head of the Department of Pharmacology, Dr. Dinesh Kumar, a large number of teachers, students and researchers including Prof. Nand Kishore were present.

हकेवि में 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नीरज कौशिक

टोटल स्टेशन पर आधारित कार्यशाला में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ह्यटोटल स्टेशनह्य पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों से अवगत कराना था।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टोटल स्टेशन को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करने वालो के लिए एक उपयोगी उपकरण बताया और कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी इस क्षेत्र के नवीनतम उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल कर लाभांवित होंगे।

कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में विभाग के सहायक आचार्य इंजीनियर सन्नी तंवर ने सिविल इंजीनियरिंग में टोटल स्टेशन के महत्त्व से विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबंधित विषय के व्यावहारिक व परिचालन संबंधी तकनीकों से अवगत कराना है।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने द्वितीय व तृतीय वर्ष के 78 प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला सदैव विषय से जुड़ी बारीकियों को जानने में मददगार साबित होती है और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ जनक पोजिशन इंडिया के विवेक पंत द्वारा सर्वेक्षण उपकरणों की मूल बातों से अवगत कराया गया और आयोजन के अन्य सत्र में विद्यार्थियों को टोटल स्टेशन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में टोटल स्टेशन के संचालन का अनुभव भी प्राप्त किया।

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'टोटल स्टेशन' पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों से अवगत कराना था। कार्यशाला के उद्‌घाटन भाषण में विभाग के सहायक आचार्य इंजीनियर सत्री तंवर ने सिविल इंजीनियरिंग में टोटल स्टेशन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने द्वितीय व तृतीय वर्ष के 78 प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला सदैव विषय से जुड़ी बारीकियों को जानने में मददगार साबित होती है। कार्यशाला में विशेषज्ञ जनक पोजिशन इंडिया के विवेक पंत द्वारा सर्वेक्षण उपकरणों की मूल बातों से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में टोटल स्टेशन के संचालन का अनुभव भी प्राप्त किया।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'टोटल स्टेशन' पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों से अवगत कराना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टोटल स्टेशन को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करने वालो के लिए एक उपयोगी उपकरण बताया और कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी इस क्षेत्र के नवीनतम उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल कर लाभांवित होंगे। विभाग के सहायक आचार्य इंजीनियर सन्नी तंवर ने सिविल इंजीनियरिंग में टोटल स्टेशन(लेवलिंग नापने का उपकरण) के महत्त्व से विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबंधित विषय के व्यावहारिक व परिचालन संबंधी तकनीकों से अवगत कराना है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने द्वितीय व तृतीय वर्ष के 78 प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला सदैव विषय से जुड़ी बारीकियों को जानने में मददगार साबित होती है और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ जनक पोजिशन इंडिया के विवेक पंत द्वारा सर्वेक्षण उपकरणों की मूल बातों से अवगत कराया गया और आयोजन के अन्य सत्र में विद्यार्थियों को टोटल स्टेशन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़। टोटल स्टेशन पर आधारित कार्यशाला में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से टोटल स्टेशन पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों से अवगत करवाना था। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टोटल स्टेशन को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करने वालों के लिए एक उपयोगी उपकरण बताया और कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी इस क्षेत्र के नवीनतम उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल कर लाभांवित होंगे। विभाग के सहायक आचार्य इंजीनियर सन्नी तंवर ने सिविल इंजीनियरिंग में टोटल स्टेशन के महत्व से विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यशाला कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबंधित विषय के व्यावहारिक व परिचालन संबंधी तकनीकों से अवगत करवाना है।

बेहतरीन प्रदर्शन किया। उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए। को पूरा करने के निर्देश दिए।

टोटल स्टेशन सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करने वालों के लिए उपयोगी उपकरण: प्रो. टंकेश्वर

■ हकेंवि में 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

टोटल स्टेशन पर आधारित कार्यशाला में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 12 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'टोटल स्टेशन' पर आधारित 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण उपकरणों से अवगत करवाना था।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टोटल स्टेशन को सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्य करने वालों के लिए एक उपयोगी उपकरण बताया और कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी इस क्षेत्र के नवीनतम उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल कर लाभांवित होंगे।

कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में विभाग के सहायक आचार्य इंजीनियर सन्नी तंवर ने सिविल इंजीनियरिंग में टोटल स्टेशन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबंधित विषय के व्यावहारिक व परिचालन संबंधी तकनीकों से अवगत करवाना है।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने द्वितीय व तृतीय वर्ष के 78 प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला सदैव विषय से जुड़ी बारीकियों को जानने में मददगार साबित होती है और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ जनक पोजिशन इंडिया के विवेक पंत द्वारा सर्वेक्षण उपकरणों की मूल बातों से अवगत करवाया गया और आयोजन के अन्य सत्र में विद्यार्थियों को टोटल स्टेशन की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में टोटल स्टेशन के संचालन का अनुभव भी प्राप्त किया।

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बीआर अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बीआर अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरू हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्त्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है। कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्त्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, श्री राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया।

डॉ. बीआर अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित विशेषज्ञ के पश्चात उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

हिंदी पत्रकारिता में भविष्य बनाने के लिए भाषा की बारीकियों को सीखें विद्यार्थी : शुक्ला

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में हिंदी पत्रकारिता में कॅरियर एवं संभावनाएं विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता वरिष्ठ पत्रकार अवधेश शुक्ला ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता में कॅरियर बनाने की चाह रखने वाले विद्यार्थियों को भाषा का ज्ञान होना जरूरी है। भाषा ज्ञान के बिना पत्रकारिता में कॅरियर संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रतिदिन अखबार पढ़ें, नई तकनीक का ज्ञान रखें तो पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज भी प्रिंट मीडिया ही सबसे विश्वसनीय माध्यम है। माध्यमों का विस्तार कितना भी क्यों न हो लेकिन प्रिंट की विश्वसनीयता हमेशा बनी रहेगी। इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने कॅरियर की शुरूआत प्रिंट से करें, अगर वे ऐसा करेंगे तो उनकी भाषा तो अच्छी होगी ही साथ ही लेखन कौशल भी बढ़ेगा जो उनके लिए काफी सहायक होगा। उन्होंने कहा आज के समय में श्रेष्ठ होना काफी नहीं है, अपितु श्रेष्ठ बने रहना मायने रखता है। डिजिटल मीडिया व प्रिंट मीडिया में अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया में गलतियों को सुधारने की गुंजाइश है परंतु प्रिंट मीडिया में सावधानी अति आवश्यक है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार, विभाग के शिक्षक डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लॉग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

‘समाज के विकास में डा.आंबेडकर का योगदान महत्वपूर्ण’

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डा. बीआर आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डा. बीआर आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास के लिए उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डा.बीआर आंबेडकर की भूमिका सर्वविदित हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डा. जादूमणि महानंद

डा. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

उपस्थित रहे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश को एकजुट करने में डा. आंबेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्त्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है।

कुलपति ने कहा कि डा. आंबेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डा. आंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स आफ डा. बीआर आंबेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डा. आंबेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डा. जादूमणि ने डा. बीआर आंबेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के आयोजन में डा. शाहजहां, राकेश मीणा, डा. मुलाका मारूति आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डा. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डा. बीआर आंबेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डा. बीआर आंबेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. जादूमणि, डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित सवैंधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित म्हस्कर व डॉ. जादूमणि महानंद उपसथित रहे।

विश्वविद्यालय सथित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरु हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है। कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया। इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित म्हस्कर ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की नहीं समूचे विश्व स्तर पर डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्त्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया।

कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारूति आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपसथित रहे।

समाज के विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान महत्वपूर्णः प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 13 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के प्रयासों से आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि भारत के निर्माण में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने किसी भी देश के विकास हेतु उसमें उपस्थित संवैधानिक व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत के संविधान निर्माण के संदर्भ में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका सर्वविदित है।

इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

यूनिवर्सिटी, सोनीपत के प्रो. सुमित व डॉ. जादूमणि महानंद उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की प्रतिमा पर कुलपति द्वारा पुष्प अर्पित कर शुरू हुए कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों व विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने में डॉ. अम्बेडकर ने एक सूत्रधार की भूमिका निभाई। वे समाज व देश से जुड़े विभिन्न विषयों में सक्रिय रहे और उनका योगदान महत्वपूर्ण रूप से जनमानस के लिए उपयोगी बना हुआ है।

कुलपति ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर बहुविकल्पीय व्यवस्था के उत्तम उदाहरण हैं। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता देखने को मिलती है। ग्लोबल रिलेवेन्स ऑफ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विषय पर केंद्रित व्याख्यान में स्वागत भाषण प्रो. अंतरेश कुमार ने दिया।

बाबा साहेब की समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव की धारणाओं का किया उल्लेख

इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. सुमित ने सामाजिक समानता के स्तर पर डॉ. अम्बेडकर द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की नहीं समूचे विश्व स्तर पर डॉ. अम्बेडकर व उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों के महत्व को भी प्रतिभागियों के समक्ष रखा।

इसी क्रम में अन्य विशेष वक्ता डॉ. जादूमणि ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर से जुड़े विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और समाज सुधार, राजनीति, संवैधानिक बदलाव आदि के स्तर पर उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न धारणाओं का उल्लेख करते हुए उनकी उपयोगिता से अवगत कराया।

कार्यक्रम के आयोजन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. शाहजहां, राकेश मीणा, डॉ. मुलाका मारुति आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर 11 अप्रैल से आयोजित पेंटिंग व वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. टी. लोंग्कोई ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में प्रवासी साहित्य की भूमिका पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित

हकेवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ व शिक्षक।

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में दोहान व्याख्यानमाला की कड़ी में हिंदी विभाग के द्वारा ह्ववर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रवासी साहित्य की भूमिकाह्न विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सुरेश चंद्र शुक्ल ह्नशरद आलोकह्न (नार्वे) उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही प्रतिभागी विद्यार्थी व शोधार्थी इससे लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के अध्यक्ष एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने मुख्य वक्ता सुरेश चंद्र शुक्ल ह्नशरद आलोकह्न स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शरद आलोक ने अपने संबोधन में कहा कि प्रवासी साहित्य वह साहित्य है जो विदेशों में बसे भारतीय मूल के साहित्यकारों द्वारा लिखा जा रहा है। हिंदी के प्रवासी साहित्य का रूप रंग, उसकी चेतना, संवेदना एक नए भाव बोध का साहित्य है जो हिंदी साहित्य को अपनी मौलिकता एवं साहित्य संसार से समृद्ध कर रहा है। इससे पूर्व में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज स्त्री, दलित, आदिवासी साहित्य के साथ-साथ हिंदी में प्रवासी साहित्य भी ज्वलंत मुद्दा है। अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि हिंदी भाषा को विश्वव्यापी बनाने में प्रवासी साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही प्रवासी साहित्यकारों की रचनाशीलता ने हिंदी साहित्य का परिदृश्य और विस्तृत किया है। मुख्य वक्ता का परिचय रितांजलि ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के शोधार्थी गुरदीप ने किया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की ही शोधार्थी गायत्री ने किया। कार्यक्रम में प्रो. संजीव कुमार, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी सहित विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

संसद में आयोजित कार्यक्रम के बाद समूह चित्र में लोकसभा अध्यक्ष के साथ हकेवि की प्रतिभागी छात्रा। **आज समाज**

हकेवि की छात्रा ने संसद में आयोजित कार्यक्रम में की प्रतिभागिता

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत एलएलएम की छात्रा आकांक्षा को संसद परिसर में अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ।

संसद के केंद्रीय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु छात्रा का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की प्राइड योजना के अंतर्गत हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आकांक्षा को मिला अवसर विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न मोर्चो पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका प्रदान करने की विश्वविद्यालय की सोच का परिणाम है। अवश्य ही इससे अन्य विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित इस छात्रा का नाम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से संसद के केंद्रीय सभागार में भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए चुने गए 26 विद्यार्थियों में शामिल रहा।

प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर छात्रा को लोकसभा अध्यक्ष का भाषण सुनने के साथ-साथ पुष्पांजलि अर्पित करने के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु सहित कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खडगे, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा से संक्षिप्त मुलाकात करने का अवसर मिला।

प्रवासी साहित्य की भूमिका पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ व शिक्षक • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में दोहान व्याख्यानमाला की कड़ी में हिंदी विभाग के द्वारा 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रवासी साहित्य की भूमिका' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सुरेश चंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' (नार्वे) उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही प्रतिभागी विद्यार्थी और शोधार्थी इससे लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के अध्यक्ष एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने मुख्य वक्ता सुरेश चंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शरद आलोक ने कहा कि प्रवासी साहित्य वह साहित्य है जो विदेशों में बसे भारतीय मूल के साहित्यकारों द्वारा लिखा जा रहा है। हिंदी के प्रवासी साहित्य का रूप रंग, उसकी चेतना, संवेदना एक नए भाव बोध का साहित्य है जो हिंदी साहित्य को अपनी मौलिकता एवं साहित्य संसार से समृद्ध कर रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डा. कामराज सिंधु ने कहा कि आज स्त्री, आदिवासी साहित्य के साथ-साथ हिंदी में प्रवासी साहित्य भी ज्वलंत मुद्दा है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वीर पाल सिंह यादव ने बताया कि हिंदी भाषा को विश्वव्यापी बनाने में प्रवासी साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही प्रवासी साहित्यकारों की रचनाशीलता ने हिंदी साहित्य का परिदृश्य और विस्तृत किया है। मुख्य वक्ता का परिचय रितांजलि ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के शोधार्थी गुरदीप ने किया।

हकेंवि की छात्रा संसद में आयोजित कार्यक्रम में शामिल

संसद मे आयोजित कार्यक्रम के बाद समूह चित्र मे लोकसभा अध्यक्ष के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिभागी छात्राएं ● सौ. प्रवक्ता हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत एलएलएम की छात्रा आकांक्षा को संसद परिसर में आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ। संसद के केंद्रीय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए छात्रा का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की प्राइड योजना के अंतर्गत हुआ।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आकांक्षा को मिला अवसर विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न मोर्चो पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका प्रदान करने की विश्वविद्यालय की सोच का परिणाम है। अवश्य ही इससे अन्य विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने

प्रतिभाग के लिए छात्रा का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की प्राइड योजना के अंतर्गत हुआ

बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित इस छात्रा का नाम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से संसद के केंद्रीय सभागार में भारत रत्न डा. भीम राव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए चुने गए 26 विद्यार्थियों में शामिल रहा।

इसको लेकर प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर छात्रा को लोकसभा अध्यक्ष का भाषण सुनने के साथ-साथ पुष्पांजलि अर्पित करने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सहित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा से संक्षिप्त मुलाकात करने का अवसर भी मिला।

‘वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रवासी साहित्य की भूमिका’ विषय पर व्याख्यान आयोजित

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में उपस्थित विशेषज्ञ व शिक्षक। *(मोहन)*

महेंद्रगढ़, 17 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में दोहान व्याख्यानमाला की कड़ी में हिंदी विभाग द्वारा ‘वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रवासी साहित्य की भूमिका’ विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सुरेश चंद्र शुक्ल ‘शरद आलोक’ (नार्वे) उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही प्रतिभागी विद्यार्थी व शोधार्थी इससे लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के अध्यक्ष एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने मुख्य वक्ता सुरेश चंद्र शुक्ल ‘शरद आलोक’ का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता शरद आलोक ने कहा कि प्रवासी साहित्य वह साहित्य है जो विदेशों में बसे भारतीय मूल के साहित्यकारों द्वारा लिखा जा रहा है। हिंदी के प्रवासी साहित्य का रूप रंग, उसकी चेतना, संवेदना एक नए भाव बोध का साहित्य है जो हिंदी साहित्य को अपनी मौलिकता एवं साहित्य संसार से समृद्ध कर रहा है।

इससे पूर्व में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने विषय की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज स्त्री, दलित, आदिवासी साहित्य के साथ-साथ हिंदी में प्रवासी साहित्य भी ज्वलंत मुद्दा है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने बताया कि हिंदी भाषा को विश्वव्यापी बनाने में प्रवासी साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही प्रवासी साहित्यकारों की रचनाशीलता ने हिंदी साहित्य का परिदृश्य और विस्तृत किया है।

मुख्य वक्ता का परिचय रितांजलि ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के शोधार्थी गुरदीप ने किया। कार्यक्रम में प्रो. संजीव कुमार, डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, डॉ. रीना स्वामी सहित विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि की छात्रा आकांक्षा ने संसद में आयोजित कार्यक्रम में की प्रतिभागिता

संसद में आयोजित कार्यक्रम के बाद समूह चित्र में लोकसभा अध्यक्ष के साथ हकेंवि की प्रतिभागी छात्रा। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 17 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत एलएल.एम. की छात्रा आकांक्षा को संसद परिसर में अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। संसद के केंद्रीय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता हेतु छात्रा का चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की प्राइड योजना के अंतर्गत हुआ।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आकांक्षा को मिला अवसर विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका प्रदान करने की विश्वविद्यालय की सोच का परिणाम है। अवश्य ही इससे अन्य विद्यार्थी भी प्रोत्साहित होंगे।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित इस छात्रा का नाम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से संसद के केंद्रीय सभागार में भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के लिए चुने गए 26 विद्यार्थियों में शामिल रहा।

प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर छात्रा को लोकसभा अध्यक्ष का भाषण सुनने के साथ-साथ पुष्पांजलि अर्पित करने के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सहित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से संक्षिप्त मुलाकात करने का अवसर मिला।

हकेवि में स्नातकोत्तर के लिए ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2023 को समाप्त हो रही है। इस सत्र में हकेवि 40 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

कुलपति ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएच.डी. के अवसर भी उपलब्ध हैं। ऐसे में स्नातक की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद योग्य विद्यार्थी उच्च शिक्षा के इन विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के 8 स्कूलों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी 19 अप्रैल 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित विस्तृत जानकारी https://cuet.nta. nic.in पर उपलब्ध है।

नारनौल के निवासी सुरेश कुमार यादव63 वर्ष की उम्र में पाया बाल मन को पढ़ने का हुनर

नारनौल के सुरेश कुमार यादव ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से किया पूर्ण डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

अक्सर यह कहा जाता है कि पढ़ने-लिखने की कोई उम्र नहीं होती। जब जागो तभी सवेरा। कुछ ऐसा ही कारनामा किया है नारनौल के निवासी सुरेश कुमार यादव ने। उन्होंने 63 वर्ष की उम्र में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग की पढ़ाई हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ से पूर्ण की है। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम सुरेश कुमार यादव ने प्रथम श्रेणी में पास कर साबित किया है कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। इस सफलता का श्रेय प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों को दिया।

सुरेश कुमार यादव कहते हैं कि पहले सरकारी नौकरी और पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद एक बार फिर से केंविवि ने उन्हें पढ़ने का वह अवसर प्रदान किया, जिसके माध्यम से अब वे बाल मन में उपजने वाली विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु सलाहकार के रूप में प्रशिक्षित हो पाए हैं। सुरेश बताते हैं कि पढ़ाई की यह ललक उनके मन में सदैव रही है और इस डिप्लोमा से पूर्व वे बी.ए. ऑनर्स, प्रभाकर, बी.एड., एम.ए. अंग्रेजी व हिन्दी, एम.कॉम., डिप्लोमा इन जर्नलिज्म की भी पढ़ाई कर चुके हैं। उनके पास एक शिक्षक के रूप में काम करने का लगभग 35 साल का लंबा अनुभव है और अब वे बच्चों के विकास के विभिन्न आयाम, डिप्रेशन, मानसिक स्वास्थ्य, ए.डी.एच.डी., एंग्जाइटी, एडीक्सन, जीवन मूल्य, डिस्ऑर्डर व डिसेबिलिटी आदि का ज्ञान अर्जित कर इस क्षेत्र में एक प्रशिक्षित सलाहकार बने हैं।

हकेंवि में स्नातकोत्तर के लिए आनलाइन आवेदन का अंतिम दिन आज

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2023 को समाप्त हो रही है। इस सत्र में हकेवि 40 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। कुलपति ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी के अवसर भी उपलब्ध हैं। ऐसे में स्नातक की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद योग्य विद्यार्थी उच्च शिक्षा के इन विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। सत्र 2023-24 के स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के 8 स्कूलों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विभागों द्वारा चलाए गए 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इच्छुक विद्यार्थी 19 अप्रैल 2023 तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उम्र नहीं बन सकती रुकावट, 63 वर्ष में हासिल की डिग्री

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सबसे उम्रदराज छात्र रहे सुरेश
- पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहे हैं सुरेश कुमार यादव

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: न उम्र की सीमा हो... उम्र बस नंबर है। इसे साबित कर दिया नारनौल के सुरेश कुमार यादव ने जिन्होंने 63 साल की उम्र में डिप्लोमा की डिग्री हासिल कर ली है। यह कहा जाता है कि पढ़ने-लिखने की कोई उम्र नहीं होती।

प्रथम श्रेणी में हुए उतीर्ण: सुरेश कुमार यादव ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग की पढ़ाई पूर्ण की है। यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के माध्यम से संभव हो पाया है। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम सुरेश कुमार यादव ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर साबित किया है कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों को दिया।

सबसे उम्रदराज छात्र: सुरेश कुमार यादव कहते हैं कि पहले सरकारी नौकरी और पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद एक बार फिर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उन्हें पढ़ने का वह अवसर प्रदान किया, जिसके माध्यम से अब वे बालमन में उपजने वाली विभिन्न समस्याओं के निदान के लिए सलाहकार के रूप में प्रशिक्षित हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी जानकारी है वे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सबसे उम्रदराज छात्र रहे हैं।

सुरेश बताते हैं कि पढ़ाई की यह ललक में सदैव रही है और इस डिप्लोमा से पूर्व वे बीए आनर्स, प्रभाकर, बीएड, एमए अंग्रेजी व हिन्दी, एम काम, डिप्लोमा इन जर्नलिज्म की भी पढ़ाई कर चुके हैं।

हकेंवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

- संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल को समाप्त हो रही है। इस सत्र में हकेंवि 40 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी-2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सवांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। कुलपति ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी के अवसर भी उपलब्ध हैं। ऐसे में स्नातक की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद योग्य विद्यार्थी उच्च शिक्षा के इन विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के आठ स्कूलों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विभागों की ओर से चलाए जा रहे 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी 19 अप्रैल तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हकेवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन का आज अंतिम दिन

संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिला

महेंद्रगढ़, 18 अप्रैल (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल, 2023 को समाप्त हो रही है। इस सत्र में हकेवि 40 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) पी.जी. 2023 के अंतर्गत प्रवेश प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

कुलपति ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पी.एचडी. के अवसर भी उपलब्ध हैं। ऐसे में स्नातक की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद योग्य विद्यार्थी उच्च शिक्षा के इन विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के 8 स्कूलों के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी 19 अप्रैल 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

63 वर्ष की उम्र में पूर्ण किया हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से डिप्लोमा पाठ्यक्रम

■ **जब जागो तभी सवेरा**

महेंद्रगढ़, 18 अप्रैल (परमजीत, मोहन): अक्सर यह कहा जाता है कि पढ़ने-लिखने की कोई उम्र नहीं होती अर्थात जब जागो तभी सवेरा। कुछ ऐसा ही कारनामा किया है नारनौल के निवासी सुरेश कुमार यादव ने। उन्होंने 63 वर्ष की उम्र में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडैंस एंड काउंसिलिंग की पढ़ाई पूर्ण की है और यह संभव हुआ है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के माध्यम से।

सुरेश कुमार यादव। (मोहन)

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम सुरेश कुमार यादव ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर साबित किया है कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों को दिया।

सुरेश ने बताया कि पहले सरकारी नौकरी और पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद एक बार फिर से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उन्हें पढ़ने का अवसर प्रदान किया, जिसके माध्यम से अब वे बाल मन में उपजने वाली विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु सलाहकार के रूप में प्रशिक्षित हो पाए हैं।

उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी जानकारी है वे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सबसे उम्रदराज छात्र रहे हैं। सुरेश बताते हैं कि पढ़ाई की यह ललक उनके मन में सदैव रही है और इस डिप्लोमा से पूर्व वे बी.ए. ऑनर्स, प्रभाकर, बी.एड., एम.ए. अंग्रेजी व हिन्दी, एम.कॉम., डिप्लोमा इन जर्नलिज्म की भी पढ़ाई कर चुके हैं।

उनके पास एक शिक्षक के रूप में काम करने का लगभग 35 साल का अनुभव है और अब वे बच्चों के विकास के विभिन्न आयाम, डिप्रैशन, मानसिक स्वास्थ्य, ए.डी.एच.डी., एंग्जाइटी, एडीक्सन, जीवन मूल्य, डिसऑर्डर व डिसैबिलिटी आदि का ज्ञान अर्जित कर इस क्षेत्र में एक प्रशिक्षित सलाहकार बने हैं।

उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक प्रो. विश्वानंद यादव व प्रो. पायल चंदेल को देते हुए कहा कि सफर अभी पूर्ण नहीं हुआ और पढ़ने का यह प्रयास ताउम्र जारी रहेगा।

विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल व प्रो. बी.एन. यादव ने भी अपने छात्र सुरेश कुमार को शुभकामना देते हुए कहा कि वे उन लोगों के लिए उदाहरण है जो उम्र के फेर में पड़कर पढ़ने-लिखने से हिचकते हैं।

हकेवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

विद्यार्थी अब 05 मई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 20 मार्च, 2023 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल से बढ़ाकर अब 05 मई, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के 8 स्कूलों के विभिन्न विभागों में 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 05 मई, 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित विस्तृत जानकारी https://cuet.nta.nic.in व www.nta.ac.in पर उपलब्ध है।

हकेंवि में पीजी पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 20 मार्च, 2023 से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल से बढ़ाकर अब पांच मई कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन के लिए बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। यहां पर बता दें कि विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के आठ स्कूलों के विभिन्न विभागों में 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब पांच मई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन व इससे संबंधित विस्तृत जानकारी https://cuet.nta.nic.in और www.nta.ac.in पर उपलब्ध है।

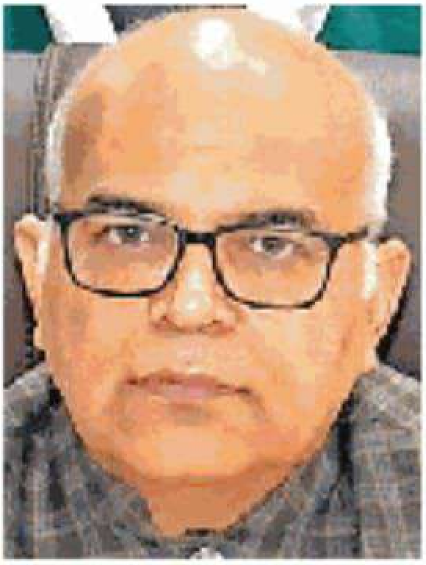

प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 20 मार्च, 2023 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) पीजी 2023 के अंतर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 19 अप्रैल से बढ़ाकर अब 05 मई, 2023 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय के 8 स्कूलों के विभिन्न विभागों में 40 डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी अब 05 मई, 2023 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कौशल विकास से पर्यटन के क्षेत्र में मिलेगी सफलता : मिश्रा

महेंद्रगढ़। पर्यटन किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन होता है। भारत कला, संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक इमारतों का देश है। हर साल दुनिया के कोने-कोने से लाखों विदेशी यहां की खूबसूरती देखने आते हैं।

हमें अपने देश की संस्कृति और विरासत पर गर्व है। हमें केवल सरकारी नौकरी के लिए प्रयास नहीं करने चाहिए बल्कि कुछ बड़ा, कुछ लीक से हटकर भी सोचना चाहिए। यह विचार पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक मृत्युंजय मिश्रा ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि पर्यटन व्यवसाय से जुड़े विशेषज्ञों के साथ इस तरह के संवाद से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना पैदा करने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता मृत्युंजय मिश्रा ने अपने व्याख्यान में देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। पर्यटन विकास के लिए हमें पर्यटकों की सेवा करते हुए अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। संवाद

राष्ट्रीय कार्यशाला

कुलपति बोले- कौशल विकास के लिए यह आयोजन महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने सीखी जनसंपर्क की बारीकियां

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनसंपर्क में लेखन कौशल विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन की बारीकियों से अवगत कराया गया।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ व प्रतिभागी। संवाद

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में रोजगार व उसकी चुनौतियों से भी रूबरू कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों की जानकारी भी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है और जनसंपर्क ऐसा ही एक क्षेत्र है जिसमें कौशल विकास के स्तर पर ये आयोजन महत्त्वपूर्ण साबित होते हैं।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। लेखन जनसंपर्क कर्मी की सबसे बड़ी ताकत है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन में कुशल बने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

कार्यशाला में हरियाणा सरकार में सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी धर्मेन्द्र, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संदीप कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी सुखबीर फोगाट, हकेंवि के जनसंपर्क पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि जनसंपर्क लेखन के लिए विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं व बोलियों में अपनी बात को रखने की कला होनी चाहिए। विवि के जनसंपर्क अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों में जनसंपर्क अधिकारी के कार्यों, उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक ने लेखन के वक्त सही-सही शब्दों का चयन, सही आंकड़े, सही शीर्षक और पूरे लेख का सत्यापन करना नितांत आवश्यक है।

युवाओं के लिए आध्यात्मिक स्वास्थ्य भी महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। युवा पीढ़ी के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य का भी महत्व है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सफलता के लिए जरूरी है कि आप मानसिक रूप से भी सुदृढ़ हों और इस लक्ष्य की प्राप्ति में आध्यात्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर का। उन्होंने यह विचार विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आध्यात्म, अध्यात्मिक स्वास्थ्य और युवा विषय पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. राजिंद्र अरोड़ा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजिंद्र अरोड़ा ने अध्यात्म के विज्ञान से संबंधित विषय के प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

राष्ट्रीय कार्यशाला

कुलपति बोले- कौशल विकास के लिए यह आयोजन महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने सीखी जनसंपर्क की बारीकियां

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनसंपर्क में लेखन कौशल विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन की बारीकियों से अवगत कराया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक पक्षों की जानकारी देते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में रोजगार व उसकी चुनौतियों से भी रूबरू कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों की जानकारी भी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है और जनसंपर्क ऐसा ही एक क्षेत्र है जिसमें कौशल विकास के स्तर पर ये आयोजन महत्त्वपूर्ण साबित होते हैं।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ व प्रतिभागी। संवाद

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। लेखन जनसंपर्क कर्मी की सबसे बड़ी ताकत है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन में कुशल बने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

कार्यशाला में हरियाणा सरकार में सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी धर्मेन्द्र, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संदीप कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी सुखबीर फोगाट, हकेंवि के जनसंपर्क पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने कहा कि जनसंपर्क लेखन के लिए विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं व बोलियों में अपनी बात को रखने की कला होनी चाहिए। विवि के जनसंपर्क अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों में जनसंपर्क अधिकारी के कार्यों, उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक ने लेखन के वक्त सही-सही शब्दों का चयन, सही आंकड़े, सही शीर्षक और पूरे लेख का सत्यापन करना नितांत आवश्यक है।

युवाओं के लिए आध्यात्मिक स्वास्थ्य भी महत्वपूर्ण

महेंद्रगढ़। युवा पीढ़ी के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य का भी महत्व है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सफलता के लिए जरूरी है कि आप मानसिक रूप से भी सुदृढ़ हों और इस लक्ष्य की प्राप्ति में आध्यात्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर का। उन्होंने यह विचार विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आध्यात्म, अध्यात्मिक स्वास्थ्य और युवा विषय पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. राजिंद्र अरोड़ा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित लघु सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजिंद्र अरोड़ा ने अध्यात्म के विज्ञान से संबंधित विषय के प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

भारत कला, संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक इमारतों का देश : मृत्युंजय मिश्रा

महेंद्रगढ़ | पर्यटन किसी भी देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन होता है। भारत कला, संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक इमारतों का देश है। हर साल दुनिया के कोने-कोने से लाखों लोग भारत की खूबसूरती देखने आते हैं। हमें अपने देश की संस्कृति और विरासत पर गर्व है। हमें केवल सरकारी नौकरी के लिए प्रयास नहीं करने चाहिए बल्कि कुछ बड़ा, कुछ हटकर भी सोचना चाहिए। ये पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक मृत्युंजय मिश्रा ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग के इस प्रयास की सराहना की। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल करियर के लिए व्यावहारिक ज्ञान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इससे पूर्व विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. विवेक बालयान ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। व्याख्यान में डॉ. अमित माथुर, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. अनिल कुमार सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों ने सीखी जनसंपर्क की बारीकियां, कुलपति बोले- कौशल विकास के लिए यह आयोजन महत्त्वपूर्ण

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनसंपर्क में लेखन कौशल विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन की बारीकियों से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यवहारिक पक्षों की जानकारी देते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में रोजगार व उसकी चुनौतियों से भी रूबरू कराया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक पक्षों की जानकारी भी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है और जनसंपर्क ऐसा ही एक क्षेत्र है जिसमें कौशल विकास के स्तर पर इस तरह के आयोजन महत्त्वपूर्ण साबित होते हैं। अवश्य ही विद्यार्थी इस आयोजन से भी लाभांवित होंगे।

कार्यशाला में हरियाणा सरकार में सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी धर्मेन्द्र, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संदीप कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी सुखबीर फोगाट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने अपने संबोधन में लेखन में भाषा के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि जनसंपर्क लेखन के लिए विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं व बोलियों में अपनी बात को रखने की कला होनी चाहिए। भाषा के माध्यम से ही एक जनसंपर्क अधिकारी लोगों को खुद से व सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जोड़ सकता है। कार्यशाला में सवाल जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के जवाब भी दिए। कार्यशाला में मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने किया। जबकि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नीरज, आलेख एस नायक सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आज के युवाओं के लिए आध्यात्मिक स्वास्थ्य भी महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: युवा पीढ़ी के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य का भी महत्व है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सफलता के लिए जरूरी है कि मानसिक रूप से भी सुदृढ़ रहे। इस लक्ष्य की प्राप्ति में अध्यात्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर का।

उन्होंने यह विचार विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा अध्यात्म, आध्यात्मिक स्वास्थ्य और युवा विषय पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित किया। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डा. राजिंद्र अरोड़ा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित लघु सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता डा. राजिंद्र अरोड़ा ने अध्यात्म के विज्ञान से संबंधित विषय से प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया।

वहीं, इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता ने ध्यान लगाने का हुनर भी प्रतिभागियों को सिखाया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विशेषज्ञ वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए अध्यात्म की समझ और उसका अनुसरण उपयोगी साबित हो सकता है। उधर, कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विशेषज्ञ वक्ता का परिचय करवाया और विषय की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. एपी शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

युवाओं के लिए अध्यात्मिक स्वास्थ्य महत्वपूर्णः वीसी

महेंद्रगढ़। युवा पीढ़ी के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अध्यात्मिक स्वास्थ्य का भी महत्व है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सफलता के लिए जरूरी है कि आप मानसिक रूप से भी सुदृढ़ हों और इस लक्ष्य की प्राप्ति में अध्यात्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर का। उन्होंने यह विचार विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा अध्यात्म, अध्यात्मिक स्वास्थ्य और युवा विषय पर आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हकेवि में विद्यार्थियों ने सीखी जनसंपर्क की बारीकियां

● कुलपति बोले– कौशल विकास के लिए यह आयोजन महत्त्वपूर्ण
हकेवि में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में कार्यशाला का हुआ आयोजन

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल गुडियानिया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनसंपर्क में लेखन कौशल विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन की बारीकियों से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यवहारिक पक्षों की जानकारी देते हुए जनसंपर्क के क्षेत्र में रोजगार व उसकी चुनौतियों से भी रूबरू कराया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि आज के समय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक पक्षों की जानकारी भी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है और जनसंपर्क ऐसा ही एक क्षेत्र है जिसमें कौशल विकास के स्तर पर इस तरह के आयोजन महत्त्वपूर्ण साबित होते हैं। अवश्य ही विद्यार्थी इस आयोजन से भी लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत विशेषज्ञ वक्ताओं के स्वागत के साथ हुई। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए आपार संभावनाएं हैं। लेखन जनसंपर्क कर्मी की सबसे बड़ी ताकत है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को जनसंपर्क लेखन में कुशल बने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में हरियाणा सरकार में सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी धर्मेन्द्र, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संदीप कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी सुखबीर फोगाट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने अपने संबोधन में लेखन में भाषा के महत्त्व से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए कहा कि जनसंपर्क लेखन के लिए विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं व बोलियों में अपनी बात को रखने की कला होनी चाहिए। भाषा के माध्यम से ही एक जनसंपर्क अधिकारी लोगों को खुद से व सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जोड़ सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील कि वे भाषा का व्यवहारिक ज्ञान बढ़ाएं। लेखन में नए नए प्रयोग करें। जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी संदीप कुमार ने प्रतिभागियों को जनसंपर्क से जुड़ी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के प्रारूप के विभिन्न पहलुओं से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में जिला सूचना एवं जनसंपर्क सहायक अधिकारी धर्मेंद्र ने कहा कि एक पत्रकार किसी खबर को नकारात्मक और सकारात्मक दोनों तरीके से लिखता है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी का काम भी सूचना देना होता है। मगर वे सूचनाएं नकारात्मक नहीं होती। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को पत्रकार और पीआर प्रोफेशनल के बीच के अंतर को समझाया। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में जनसंपर्क अधिकारी के कार्यों, उनकी जिम्मेदारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में पीआर का काम केवल सकारात्मक पहलुओं को सबके सामने लाना है। उन्होंने जनसंपर्क लेखन की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराते हुए कहा कि लेखन के साथ ही तस्वीरों का चयन भी ब्रांड इमेज बनाने के लिए बेहद जरुरी है।

सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी अभिसार कौशिक ने छात्र-छात्राओं के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सरकार के लिए लिखना जिम्मेवारी का काम है क्योंकि आप जनसंपर्क लेखक के तौर पर सरकार की तरफ से बोल रहे होते हैं। ऐसे में लेखन के वक्त सही-सही शब्दों का चयन, सही आंकड़े, सही शीर्षक और पूरे लेख का सत्यापन करना नितांत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अच्छा लेखक बनने के लिए अच्छा पाठक होना जरुरी है।

सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुखबीर फोगाट ने विद्यार्थियों को न्यू मीडिया के दौर में जनसंपर्क के महत्त्व को समझाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिए बेहतर पीआर लेखन की बारीकियों को समझाया। कार्यशाला में सवाल जवाब सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के जवाब भी दिए। कार्यशाला में मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बत्रा ने किया जबकि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. नीरज, आलेख एस नायक सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

श्रेष्ठ संचार वह है कि लोगों ने क्या जाना व समझा

सही और प्रभावी संचार रणनीति भ्रमित सूचनाओं से निपटने में मददगार : कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना क्रांति के इस दौर में लोगों के पास सूचनाओं के उत्पादन व उसे साझा करने के असंख्य माध्यम उपलब्ध हैं। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं को बनाना व उसे लोगों तक भेजना आसान हुआ हो गया है। यही कारण है कि दुनिया भ्रमित सूचनाओं एक खिलाफ जंग लड़ रही है। ऐसे दौर में सही सूचना एवं प्रभावी जनसंपर्क से भ्रमित सूचनाओं से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सीबीसी के एडिशनल निदेशक जनरल सतीश नम्बूदिरीपाद ने कहा कि संचार वह नहीं है जो हम बोलते हैं या कहते हैं श्रेष्ठ संचार वह है कि लोगों ने क्या जाना व समझा। जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले लोग जब इस बात को समझने लगेंगे तो निश्चित रूप से भ्रमित सूचनाओं की इस महामारी से हम लड़ सकेंगे। पीआईबी के अतिरिक्त महानिदेशक राजेंद्र चौधरी ने पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट व इसके कार्यों पर प्रकाश डाला। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के जनसंपर्क विभाग के निदेशक सुनीत मुखर्जी ने कहा कि हमें अपनी लेखनी से यह बात भी सुनिश्चित करनी है कि हम राष्ट्र के विकास के प्रति कुछ सहयोग कर रहे हैं। पीआर का काम 24 घंटे चलता रहता है। एक जनसंपर्क कर्मी जब किसी भी संस्थान के लिए काम करता है तो उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी उनका संस्थान होता है। उन्होंने एक सफल पीआर प्रोफेशनल बनने के लिए कुछ गुर बताए।

भ्रमित सूचनाएं किसी भी समाज के लिए बेहद खतरनाक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार भी लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना क्रान्ति के इस दौर में लोगों के पास सूचनाओं के उत्पादन व उसे सांझा करने के असंख्य माध्यम उपलब्ध हैं। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं को बनाना व उसे लोगों तक भेजना आसान हुआ हो गया है। यहीं कारण है कि दुनिया भ्रमित सूचनाओं के विरुद्ध जंग लड़ रही है।

ऐसे दौर में सही सूचना एवं प्रभावी जनसंपर्क से भ्रमित सूचनाओं से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सूचनाओं के प्रवाह में फेक न्यूज बड़ी चुनौती है। भ्रमित सूचनाएं किसी भी समाज के लिए खतरनाक है, ऐसे में सही व प्रभावी संचार रणनीति से ही इनसे निपटा जा सकता है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सीबीसी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल सतीश नम्बूदिरीपाद ने कहा कि संचार वह नहीं है, जो हम बोलते हैं या कहते हैं श्रेष्ठ संचार वह है कि लोगों ने क्या जाना व समझा।

विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. हकेंवि

जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले लोग जब इस बात को समझने लगेंगे तो निश्चित रूप से भ्रमित सूचनाओं की इस जंग से हम लड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि लोग जनसंपर्क को नकारात्मक नजरिए से देखते हैं, लेकिन वास्तव में यह जनता की सेवा का माध्यम है। पीआइबी के अतिरिक्त महानिदेशक राजेन्द्र चौधरी ने पीआईबी की फैक्ट चैक यूनिट व इसके कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पीआइबी फैक्ट चैक भ्रमित सूचनाओं से लड़ने व उनकी जांच कर सही सूचनाओं को लोगों तक पहुंचाने का तंत्र केंद्र सरकार की ओर से विकसित किया गया है।

जनसंपर्क विभाग की उप निदेशक उर्वसी रंगारा ने राज्य स्तर पर भ्रमित सूचनाओं के कारण पैदा होने वाली समस्याओं के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि डिजिटल मीडिया के दौर में जनसंपर्क पूरी तरह से बदल गया है इसलिए भावी जनसंपर्क कर्मियों को चाहिए कि वे नई तकनीक को अपना साथी बनाएं। पीआर गुरू सुरेश गौड़ ने कहा कि भ्रमित सूचनाएं समाज व लोगों के विरुद्ध एक षड्यंत्र एवं झूठ है। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के जनसंपर्क विभाग के निदेशक सुनीत मुखर्जी ने राष्ट्र के प्रति पीआर के महत्व को समझाते हुए कहा कि हमें अपनी लेखनी से यह बात भी सुनिश्चित करनी है कि हम राष्ट्र के विकास के प्रति सहयोग कर रहे हैं।

भ्रमित सूचनाएं किसी भी समाज के लिए बेहद खतरनाक

विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते विशेषज्ञ • सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जनसंपर्क दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार भी लगाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना क्रान्ति के इस दौर में लोगों के पास सूचनाओं के उत्पादन व उसे सांझा करने के असंख्य माध्यम उपलब्ध हैं। ऐसे में भ्रमित सूचनाओं को बनाना व उसे लोगों तक भेजना आसान हुआ हो गया है। यहीं कारण है कि दुनिया भ्रमित सूचनाओं के विरुद्ध जंग लड़ रही है।

ऐसे दौर में सही सूचना एवं प्रभावी जनसंपर्क से भ्रमित सूचनाओं से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सूचनाओं के प्रवाह में फेक न्यूज बड़ी चुनौती है। भ्रमित सूचनाएं किसी भी समाज के लिए खतरनाक है, ऐसे में सही व प्रभावी संचार रणनीति से ही इनसे निपटा जा सकता है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने भ्रमित सूचनाओं के दौर में जनसंपर्क विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सीबीसी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल सतीश नम्बूदिरीपाद ने कहा कि संचार वह नहीं है, जो हम बोलते हैं या कहते हैं श्रेष्ठ संचार वह है कि लोगों ने क्या जाना व समझा।

जनसंपर्क के क्षेत्र में काम करने वाले लोग जब इस बात को समझने लगेंगे तो निश्चित रूप से भ्रमित सूचनाओं की इस जंग से हम लड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि लोग जनसंपर्क को नकारात्मक नजरिए से देखते हैं, लेकिन वास्तव में यह जनता की सेवा का माध्यम है। पीआइबी के अतिरिक्त महानिदेशक राजेन्द्र चौधरी ने पीआईबी की फैक्ट चैक यूनिट व इसके कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पीआइबी फैक्ट चैक भ्रमित सूचनाओं से लड़ने व उनकी जांच कर सही सूचनाओं को लोगों तक पहुंचाने का तंत्र केंद्र सरकार की ओर से विकसित किया गया है।

जनसंपर्क विभाग की उप निदेशक उर्वसी रंगारा ने राज्य स्तर पर भ्रमित सूचनाओं के कारण पैदा होने वाली समस्याओं के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि डिजिटल मीडिया के दौर में जनसंपर्क पूरी तरह से बदल गया है इसलिए भावी जनसंपर्क कर्मियों को चाहिए कि वे नई तकनीक को अपना साथी बनाएं। पीआर गुरू सुरेश गौड़ ने कहा कि भ्रमित सूचनाएं समाज व लोगों के विरुद्ध एक षड्यंत्र एवं झूठ है। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक के जनसंपर्क विभाग के निदेशक सुनीत मुखर्जी ने राष्ट्र के प्रति पीआर के महत्व को समझाते हुए कहा कि हमें अपनी लेखनी से यह बात भी सुनिश्चित करनी है कि हम राष्ट्र के विकास के प्रति सहयोग कर रहे हैं।

संडे पॉजिटिव हकेवि में नए केंद्रीय पुस्तकालय भवन का होगा निर्माण

5 हजार वर्ग मीटर में भूतल सहित दो मंजिला इमारत के लिए खर्च होंगे 34 करोड़ 25 लाख

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्यों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुस्तकालय के नए भवन का निर्माण होने जा रहा है। केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग के सहयोग से होने वाले इस निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध मौजूदा पुस्तकालय शैक्षणिक खंड में चलाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप अलग पुस्तकालय भवन की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए नए पुस्तकालय भवन का निर्माण हो रहा है। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

विश्वविद्यालय में निर्मित होने वाले नए पुस्तकालय भवन में सुविधाओं के स्तर पर यहां भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकर्ताओं हेतु अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी जो कि 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य को पूर्ण करने में सहायक होगी।

इसी क्रम में इस भवन में 100 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल/कॉन्फ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मीटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, सामाजिक मेलजोल, आपसी सहयोगी गतिविधियां सुनिश्चित करने हेतु भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध होगा। नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जहां विद्यार्थी, शोधार्थी व उपयोगकर्ताओं के जलपान की व्यवस्था होगी।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी लाइब्रेरी

■ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक खंड चार के दो तलों पर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ लॉ व स्कूल ऑफ एजुकेशन में अलग-अलग पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जल्द ही नए पुस्तकालय भवन के बनने से विद्यार्थियों को एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त होगा।
डॉ. संतोष सी एच, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष।

पुस्तकालय भवन के निर्माण की मंजूरी मिली

विवि में केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। इस के निर्माण कार्य पर करीब 34.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जल्द ही इसके लिए आवश्यक कार्यवाही पूरी करते हुए निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा।
प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हकेवि महेंद्रगढ़।

संडे पॉजिटिव

हकेवि में नए केंद्रीय पुस्तकालय भवन का होगा निर्माण

5 हजार वर्ग मीटर में भूतल सहित दो मंजिला इमारत के लिए खर्च होंगे 34 करोड़ 25 लाख

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य को गति प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुस्तकालय के नए भवन का निर्माण होने जा रहा है। केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग के सहयोग से होने वाले इस निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध मौजूदा पुस्तकालय शैक्षणिक खंडों में चलाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप अलग पुस्तकालय भवन की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए नए पुस्तकालय भवन का निर्माण हो रहा है। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

विश्वविद्यालय में निर्मित होने वाले नए पुस्तकालय भवन में सुविधाओं के स्तर पर यहां भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकर्ताओं हेतु अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी जो कि 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य की पूर्ति करने में सक्षम होंगे।

इसी क्रम में इस भवन में 100 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल/कांफ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मीटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, सामाजिक मेलजोल, आपसी साझेदारी सुनिश्चित करने हेतु भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध रहेगा। नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जहां विद्यार्थी, शोधार्थी व उपयोगकर्ता के जलपान की व्यवस्था होगी।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी लाइब्रेरी

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक खंड चार के दो तलों पर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ लॉ व स्कूल ऑफ एजुकेशन में अलग-अलग पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अवश्य ही नए पुस्तकालय भवन के बनने से विद्यार्थियों को एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पुस्तकालय का लाभ प्राप्त होगा।
डॉ. संतोष सी एच, *विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष।*

पुस्तकालय भवन के निर्माण की मंजूरी मिली

विवि में केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। इस के निर्माण कार्य पर करीब 34.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जल्द ही इसके लिए आवश्यक कार्यवाही पूरी करते हुए निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा।
टंकेश्वर कुमार, *कुलपति केंविवि महेंद्रगढ़।*

हकेवि में विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस के महत्त्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे पृथ्वी को संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और सभी से पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया।

विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते स्वयंसेवक।

कार्यक्रम की शुरूआत वृक्षारोपण अभियान से हुई। इसके अंतर्गत स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए। साथ ही स्वयंसेवकों ने परिसर में पहले से मौजूद पौधों के उचित रखरखाव व देखभाल करने की भी जिम्मेदारी ली। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता पदयात्रा के माध्यम से साफ-सफाई तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व से आमजन को जागरूक किया।

कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को हरित और स्वस्थ पृथ्वी बनाने की दिशा में काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल और स्वच्छता वॉक जैसी गतिविधियों में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी निस्संदेह एक बेहतर भविष्य में योगदान देगी।

हकेवि में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस के महत्त्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे पृथ्वी को संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और सभी से पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान से हुई। इसके अंतर्गत स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए। साथ ही स्वयंसेवकों ने परिसर में पहले से मौजूद पौधों के उचित रखरखाव व देखभाल करने की भी जिम्मेदारी ली। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता पदयात्रा के माध्यम से साफ-सफाई तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व से आमजन को जागरूक किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को हरित और स्वस्थ पृथ्वी बनाने की दिशा में काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल और स्वच्छता वॉक जैसी गतिविधियों में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी निस्संदेह एक बेहतर भविष्य में योगदान देगी।

विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे पृथ्वी को संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और सभी से पर्यावरण की रक्षा का आग्रह किया।

कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान से हुई। इसके अंतर्गत स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए। साथ ही स्वयंसेवकों ने परिसर में पहले से मौजूद पौधों के उचित रखरखाव व देखभाल करने की भी जिम्मेदारी ली। स्वयंसेवकों ने स्वच्छता पदयात्रा के माध्यम से साफ-सफाई तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व से आमजन को जागरूक किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने सतत विकास की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को हरित और स्वस्थ पृथ्वी बनाने की दिशा में काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल और स्वच्छता वाक जैसी गतिविधियों में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी निस्संदेह एक बेहतर भविष्य में योगदान देगी।

पर्यावरण संरक्षण विष्य पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जागरण संवाददाता,नारनौल: राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के निर्देश पर पर्यावरण संरक्षण विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12वीं तक के सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रवक्ता मेहताब सिंह ने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण संतुलन के लिए लोगों का जागरूक होना आवश्यक है। जागरूकता के द्वारा ही लोगों को प्रकृति प्रेमी बनाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा सकता है। एनएसएस इंचार्ज धर्म सिंह ने कहा कि आज बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, औद्योगीकरण, पेड़ों की कटाई, प्लास्टिक, पालीथिन व कचरे के कारण पर्यावरण दिन प्रतिदिन दूषित होता जा रहा है। पर्यावरण जीव जंतु के जीवन यापन के लिए आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य मकसद पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता में कक्षा11वीं व 12वीं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान दिव्या, कोमल, पून्म ने तथा 9वीं व 10वीं मे हितेश शर्मा, समिक्षा, मनीषा और ईशू ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हकेंवि में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

■ स्वयंसेवकों से पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

हरियाणा केंद्रीय विवि में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारे पृथ्वी को संरक्षित करने की

महेंद्रगढ़। विवि परिसर में पौधरोपण करते स्वयंसेवक।

आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और सभी से पर्यावरण की रक्षा के लिए जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण अभियान से हुई। स्वयंसेवकों ने विवि परिसर और उसके आसपास विभिन्न किस्मों के पौधे लगाए। साथ ही स्वयंसेवकों ने परिसर में पहले से मौजूद पौधों के उचित रखरखाव व देखभाल करने की भी जिम्मेदारी ली।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी व शिक्षक। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को आर्कजीआईएस के ज्ञान से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर से अवगत कराना था। आर्कजीआईएस एक उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक और परिचालन तकनीकों से अवगत कराया गया।

इस कार्यशाला में एमटेक और पीएचडी शोधार्थियों सहित 81 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में इंजीनियर सनी तंवर ने आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ जीआईएस डॉ. के वेंकटेश्वरलू ने व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

हकेवि में 'आर्क-जीआईएस' पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को 'आर्क-जीआईएस' के ज्ञान से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आर्क-जीआईएस एक उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक और परिचालन तकनीकों से अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में एम.टेक. और पीएचडी शोधार्थियों सहित 81 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्घाटन भाषण में इंजीनियर सनी तंवर ने आर्क-जीआईएस सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ जीआईएस डॉ. के. वेंकटेश्वरलू ने व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया और इसकी कार्यप्रणाली पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रायोगिक कार्यान्वयन के बाद छात्रों ने ऑटो प्लॉटर और ऑटो कैड का उपयोग करके मानचित्र में सभी व्यावहारिक कार्य करने का प्रशिक्षण भी लिया।

'वैमानिकी टोही कवरेज भौगोलिक सूचना प्रणाली' पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को वैमानिकी टोही कवरेज भौगोलिक सूचना प्रणाली के ज्ञान से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण साफ्टवेयर से अवगत कराना था। वैमानिकी टोही कवरेज भौगोलिक सूचना प्रणाली एक उन्नत सर्वेक्षण साफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया।

स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के सेमिनार हाल में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक और परिचालन तकनीकों से अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में एमटेक और पीएचडी शोधार्थियों सहित 81 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया।

- कार्यशाला का उद्देश्य सर्वेक्षण साफ्टवेयर से अवगत कराना था
- वैमानिकी टोही कवरेज भौगोलिक सूचना प्रणाली एक साफ्टवेयर है

हकेंवि में आर्जीआइएस पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी

कार्यशाला का उद्घाटन भाषण में इंजीनियर सनी तंवर ने वैमानिकी टोही कवरेज भौगोलिक सूचना प्रणाली साफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन विभाग द्वारा करवाया जाएगा। कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ जीआइएस डा. के वेंकटेश्वरलू ने व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया और इसकी कार्यप्रणाली पर भी विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर प्रायोगिक कार्यान्वयन के बाद छात्रों ने आटो प्लाटर और आटो कैड का उपयोग करके मानचित्र में सभी व्यावहारिक कार्य करने का प्रशिक्षण भी लिया। यहां पर बता दें कि विश्वविद्यालयों में आधुनिकत तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है।

हकेवि महेंद्रगढ़ में दो दिवसीय कार्यशाला

नारनौल, 25 अप्रैल (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को आर्कजीआईएस के ज्ञान से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर से अवगत कराना था। आर्कजीआईएस एक उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया। कार्यशाला में 81 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्घाटन भाषण इंजीनियर सनी तंवर ने दिया।

दैनिक ट्रिब्यून
Wed
htt

आर्कजीआईएस उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर

- हरियाणा केंद्रीय विवि में हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को आर्कजीआईएस के ज्ञान से परिचित कराने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर से अवगत कराना था। आर्कजीआईएस एक उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक और परिचालन तकनीकों से अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में एमटेक और पीएचडी शोधार्थियों सहित 81 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में हिस्सा लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन भाषण में इंजीनियर सनी तंवर ने आर्कजीआईएस सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन विभाग द्वारा करवाया जाएगा। कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ जीआईएस डॉ. के. वेंकटेश्वरलू ने व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

ह.कें.वि. में 'आर्क.जी.आई.एस.' पर केंद्रित 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 25 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को आर्क.जी.आई.एस. के ज्ञान से परिचित करवाने के उद्देश्य से 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर से अवगत करवाना था। आर्क.जी.आई.एस. एक उन्नत सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर है और इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की कार्यशालाओं को विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उपयोगी बताया।

ह.कें.वि. में आर्क.जी.आई.एस. पर केंद्रित 2 दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी व शिक्षक। (मोहन)

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के सैमीनार हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक व परिचालन तकनीकों से अवगत करवाया गया। कार्यशाला में एम.टैक. और पीएच.डी. शोधार्थियों सहित 81 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इंजीनियर सन्नी तवर ने आर्क.जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास गर्ग ने कार्यशाला के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन विभाग द्वारा करवाया जाएगा।

कार्यशाला के दौरान वरिष्ठ जी.आई.एस. डॉ. के. वेंकटेश्वरलू ने व्यावहारिक सत्रों के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्षों से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया और इसकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की।

प्रायोगिक कार्यान्वयन के बाद छात्रों ने ऑटो प्लॉटर और ऑटो कैड का उपयोग कर मानचित्र में सभी व्यावहारिक कार्य करने का प्रशिक्षण लिया।

शिक्षा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग ने किया राष्ट्रीय सेमिनार

सामाजिक परिवर्तन के लिए सकारात्मक सोच जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास व सामाजिक परिवर्तन-75, एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन को देखने का नजरिया सदैव शीशे में देखने की तरह होता है।

यदि हम इसे सीधे रूप से देखते हैं तो हमें सही रूप देखने को मिलता है जबकि इसे तिरछा अथवा उल्टा करके देखने पर दिखने वाला प्रतिबिंब कुछ अलग ही रूप में नजर आता है। यही नियम विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर भी लागू होता है। उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अब्दुल मतीन व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. बिमोल अकोईजम उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों का स्मृति चिह्न देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

उन्होंने कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर जब हम आजादी के 75 वर्षों की यात्रा का अवलोकन करते हैं तो इसमें हर तरह के पहलू हमारे समक्ष आते हैं। जरूरत है बेहतर को और बेहतर बनाने और कमियों से सबक लेकर सुधार के प्रयास करने की। कार्यक्रम की शुरूआत आयोजन समिति की सदस्य व विभाग की प्रभारी डॉ. टी लोंग्कोई ने विषय व आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सेमिनार के आयोजन में डॉ. युधवीर, डॉ. रीमा गिल व तन्वी भाटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'विकास व सामाजिक परिवर्तन के लिए सकारात्मक सोच जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास व सामाजिक परिवर्तन@75: एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन को देखने का नजरिया सदैव शीशे में देखने की तरह होता है। यदि हम इसे सीधे रूप से देखते हैं तो हमें सही रूप देखने को मिलता है जबकि इसे तिरछा अथवा उल्टा करके देखने पर दिखने वाला प्रतिबिंब कुछ अलग ही रूप में नजर आता है। यही नियम विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर भी लागू होता है।

आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अब्दुल मतीन व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. बिमोल अकोईजम उपस्थित रहे। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर जब हम आजादी के 75 वर्षों की यात्रा का अवलोकन करते हैं तो इसमें हर तरह के पहलू हमारे समक्ष आते हैं। जरूरत है बेहतर को और बेहतर बनाने और कमियों से सबक लेकर सुधार के प्रयास करने की। हर विकास व बदलाव की यात्रा में कुछ लोग भागीदार बनते हैं और बेहतर के लिए प्रयास करते हैं और कुछ लोग उस सकारात्मक प्रयास की यात्रा में आलोचक बनकर उसके कमजोर व खराब पक्ष को ही उजागर करते रहते हैं। मेरी समझ में सुधार के लिए कमियों को जानना जरूरी है, लेकिन इसके लिए अवश्यक है कि आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। सामाजिक बदलावों के स्तर पर सदैव उल्टी सोच के साथ आलोचनात्मक रवैया अपनाकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। कुलपति ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन समिति की सदस्य व विभाग की प्रभारी डा. टी. लोंगकोई ने विषय व आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि दो दिन के इस कार्यक्रम में विकास व सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा होगी। सेमिनार के आयोजन में डा. युधवीर, डा. रीमा गिल व सुश्री तन्वी भाटी ने अहम भूमिका निभाई।

सामाजिक परिवर्तन को सकारात्मक सोच जरूरी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास व सामाजिक परिवर्तन 75 एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का बुधवार को शुभारंभ किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन को देखने का नजरिया सदैव शीशे में देखने की तरह होता है। यदि हम इसे सीधे रूप से देखते हैं तो हमें सही रूप देखने को मिलता है जबकि इसे तिरछा अथवा उल्टा करके देखने पर दिखने वाला प्रतिबिंब कुछ अलग ही रूप में नजर आता है। यही नियम विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर भी लागू होता है।

Two-day National Seminar on Development & Social Transformation @75: A Reflection at CUH

Nidhi Priya
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : A two-day national seminar on 'Development and Social Change@75: A Reflection' is being organized by the Department of Sociology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. In his inaugural address the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that the perspective of seeing development and social change is always like looking in a mirror. If we look at it straight, we get to see the correct form, whereas if we look at it obliquely or upside down, the image seen is seen in a different form. The same rule is also applicable at the level of development and social change. Prof. Abdul Matin from Aligarh Muslim University and Prof. Bimol Akoijam from Jawaharlal Nehru University were present as experts in the inaugural session of the event. Prof. Tankeshwar Kumar said that when we observe the journey of 75 years of independence at the level of development and social change, all kinds of aspects come before us. Have the courage to make the better and better and try to improve by taking lessons from the shortcomings. Some people become partners in the journey of every development and change and strive for the better and some people become critical of that positive effort and keep exposing its weak and bad side. As per my understanding, to improve it is necessary to know the shortcomings but for this it is necessary that you move forward with positive thinking. At the level of social changes, one cannot move forward by always adopting a critical attitude with reverse thinking. In his address, the Vice-Chancellor described this event important from the point of view of the development journey so far and said that it would definitely help us in planning for the future. In the inauguration of the program Dr. T. Longkoi, member of the organizing committee and in-charge of the department, presented the theme and outline of the event. In this sequence, she told that in this two-day program various aspects of development and social change will be discussed in detail. Dr. Yudhvir, Dr. Reema Gill and Ms. Tanvi Bhati played an important role in organizing the seminar.

'विकास व सामाजिक परिवर्तन@75: एक प्रतिबिंब' विषय पर राष्ट्रीय सैमिनार

विकास व सामाजिक परिवर्तन के लिए सकारात्मक सोच जरूरी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 26 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'विकास व सामाजिक परिवर्तन@ 75: एक प्रतिबिंब' विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन को देखने का नजरिया सदैव शीशे में देखने की तरह होता है।

यदि हम इसे सीधे रूप से देखते हैं तो हमें सही रूप देखने को मिलता है जबकि इसे तिरछा अथवा उल्टा करके देखने पर दिखने वाला प्रतिबिंब कुछ अलग ही रूप में नजर आता है।

यही नियम विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर भी लागू होता है। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञ के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. अब्दुल मतीन व जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. बिमोल अकोईजम उपस्थित रहे।

सैमिनार के उद्घाटन सत्र में विशेषज्ञों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

सुधार के लिए कमियों को जानना जरूरी

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विकास व सामाजिक परिवर्तन के स्तर पर जब हम आजादी के 75 वर्षों की यात्रा का अवलोकन करते हैं तो इसमें हर तरह के पहलू हमारे समक्ष आते हैं। जरूरत है बेहतर को और बेहतर बनाने और कमियों से सबक लेकर सुधार के प्रयास करने की। हर विकास व बदलाव की यात्रा में कुछ लोग भागीदार बनते हैं और बेहतर के लिए प्रयास करते हैं और कुछ लोग उस सकारात्मक प्रयास की यात्रा में आलोचक बनकर उसके कमजोर व खराब पक्ष को ही उजागर करते रहते हैं।

उनकी समझ में सुधार के लिए कमियों को जानना जरूरी है लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। सामाजिक बदलावों के स्तर पर सदैव उल्टी सोच के साथ आलोचनात्मक रवैया अपनाकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता।

भविष्य की योजना तैयार करने में मिलेगी मदद

कुलपति ने अपने संबोधन में इस आयोजन को अभी तक की विकास यात्रा के अवलोकन के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से हमें भविष्य की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की शुरूआत आयोजन समिति की सदस्य व विभाग की प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई ने विषय व आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि 2 दिन के इस कार्यक्रम में विकास व सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा होगी। सैमिनार के आयोजन में डॉ. युधवीर, डॉ. रीमा गिल व तन्वी भाटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिक्षा

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

पर्यावरण व सामाजिक परिवर्तन पर किया मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास और सामाजिक परिवर्तन-75 एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन हुआ। सेमिनार के समापन सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. सुप्रीति व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ घर के अंदर मौजूद लैंगिक असमानता जैसी विभिन्न प्रकार की असमानताओं पर चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल स्तर पर तथा पर्यावरण के मोर्चे पर भी असमानता का उल्लेख किया और प्रतिभागियों को अपने स्तर पर भारत में समान सामाजिक व्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में प्रो. सुप्रीति ने अपने संबोधन में विकास और सामाजिक परिवर्तन के विषय पर बात की और बताया कि समाजशास्त्र के विभिन्न विद्वानों ने इसे कैसे देखा। उन्होंने सेमिनार में आयोजित विभिन्न सत्रों का उल्लेख करते हुए उनकी व्यापक विषयवस्तु और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रो. सुप्रिति और प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों के शैक्षणिक क्षेत्र को जीवंत और गतिशील बनाए रखने के लिए उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इससे पूर्व में समापन सत्र की शुरूआत में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युधवीर ने अतिथियों का स्वागत किया।

इसके पश्चात विभाग की प्रभारी डॉ. टी. लोंगकोई खियाम्नियुंगन ने प्रतिभागियों के समक्ष दो दिवसीय सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सेमिनार में अंग्रेजी, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, योग, पत्रकारिता एवं जनसंचार आदि विभिन्न विभागों के शिक्षकों व शोधार्थियों ने लगभग 60 पत्र प्रस्तुत किए।

सेमिनार के समापन सत्र में उपस्थित शिक्षक और प्रतिभागी। संवाद

छात्राओं को सम्मानित किया

नांगल चौधरी कॉलेज में मेधावी छात्रा को पुरस्कृत करते वीसी डॉ. टंकेश्वर कुमार। संवाद

नांगल चौधरी। बैजनाथ चौधरी महिला महाविद्यालय नांगल चौधरी का द्वितीय वार्षिकोत्सव एवं दीक्षांत समारोह प्राचार्य डॉ. अनीता तंवर की अध्यक्षता में किया।

इसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के वीसी डॉ. टंकेश्वर कुमार व चौधरी बैजनाथ चेरीटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन गोविंद चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने छात्राओं को किताबी पढ़ाई के साथ संस्कारित होने की आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिवंगत समाजसेवी चौधरी बैजनाथ की सोच दूरदर्शी व सकारात्मक थी इसलिए उन्होंने बेटियों की उच्च शिक्ष के लिए करोड़ों की लागत से भवन निर्माण कराया था। उनके पुत्र गोविंद चौधरी ने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया है। इसके बाद स्नातक उत्तीर्ण रही छात्राओं को डिग्री वितरित की गई। साथ ही कॉलेज एकेडमिक परीक्षा तथा अन्य गतिविधियों में अव्वल रहने वाली छात्राओं को चेरिटेबल ट्रस्ट ने नकद पुरस्कार तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन संतोष यादव ने किया।

इस मौके पर वर्धमान सोसायटी के चेयरमैन एससी जैन, विशिष्ट अतिथि राकेश मेहता, रामानंद अग्रवाल, कॉलेज के रजिस्टार रमन यादव, डॉ. पूनम तंवर, डॉ. हरनाम सिंह, मनोज कुमार जाखड़, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. ममता बायला, भवानी शंकर जोशी, रमेश तंवर आदि मौजूद रहे। संवाद

प्रतिभागियों को अपने स्तर पर भारत में समान सामाजिक व्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया

महेंद्रगढ़ | हकेवि में समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास और सामाजिक परिवर्तन /@75: एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. सुप्रीति व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ घर के अंदर मौजूद लैंगिक असमानता जैसी विभिन्न प्रकार की असमानताओं पर चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल स्तर पर तथा पर्यावरण के मोर्चे पर भी असमानता का उल्लेख किया और प्रतिभागियों को अपने स्तर पर भारत में समान सामाजिक व्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रो. सुप्रीति ने विकास और सामाजिक परिवर्तन के विषय पर बात की।

इससे पूर्व में समापन सत्र की शुरूआत में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युधवीर ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात विभाग की प्रभारी डॉ. टी. लोंगकोई खियाम्नियुंगन ने प्रतिभागियों के समक्ष दो दिवसीय सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सेमिनार में अंग्रेजी, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, योग, पत्रकारिता एवं जनसंचार आदि विभिन्न विभागों के शिक्षकों व शोधार्थियों ने लगभग 60 पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य तन्वी भाटी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के इतिहास विभाग से डॉ. कुलभूषण मिश्रा और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. रीमा गिल के योगदान रहा।

सरकारी नौकरी सबको मिलना संभव नहीं, रोजगारमुखी शिक्षा पर भी फोकस करें युवा

नांगल चौधरी | बैजनाथ चौधरी गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्या डॉ. अनिता तंवर की अध्यक्षता में द्वितीय वार्षिकोत्सव एवं दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार व चौधरी बैजनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन गोविंद चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं को किताबी पढ़ाई के साथ संस्कारित होने की आह्वान किया, जिससे समाज की एकजुटता तथा समृद्धता संभव हो पाएगी।

उन्होंने कहा कि दिवंगत समाजसेवी चौधरी बैजनाथ की सोच दूरदर्शी व सकारात्मक थी, इसलिए उन्होंने बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए करीब 15 करोड़ की लागत से भवन निर्माण कराया था। उनके योगदान से ही कॉलेज में हर साल 400 से अधिक छात्राएं उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं। उनके पुत्र गोविंद चौधरी ने भी पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया है। इनकी सोच बेटियों को सबल और सफल बनाने की है, ऐसे इंसान फरिश्ते से कम नहीं होते। उन्होंने बेटियों को आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया, कहा कि सभी पढ़े-लिखे युवाओं को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं। इसलिए रोजगारमुखी शिक्षा पर भी फोकस करने का सुझाव दिया है। कहा कि वर्धमान महावीर सोसायटी ने कॉलेज को 9 सिलाई मशीन मुहैया कराई हैं, जिससे छात्राओं को सिलाई सीखने में मदद मिलेगी। इसके बाद 2019-20 में स्नातक उत्तीर्ण रही छात्राओं को डिग्री वितरित की गई हैं। साथ ही कॉलेज एकेडमिक परीक्षा तथा अन्य गतिविधियों में अव्वल रहने वाली छात्राओं को चैरिटेबल ट्रस्ट ने नकद पुरस्कार तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया है। कार्यक्रम में संतोष यादव ने मंच का संचालन किया है। इस मौके पर वर्धमान सोसायटी के चेयरमैन एससी जैन, विशिष्ट अतिथि राकेश मेहता, रामानंद अग्रवाल, कॉलेज के रजिस्ट्रार रमन यादव, डॉ. पूनम तंवर, डॉ. हरनाम सिंह, मनोज कुमार जाखड़, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. ममता बायला, भवानी शंकर जोशी, रमेश तंवर, पवन मित्तल, कुलदीप जेलदार, बाबूलाल सेठ, प्रताप चौधरी मौजूद रहे।

बैजनाथ चौधरी गर्ल्स कॉलेज में दीक्षांत समारोह में प्राचार्या डॉ. अनिता तंवर की अध्यक्षता करते हुए।

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास और सामाजिक परिवर्तन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. सुप्रीति व हकेंवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रही। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ घर के अंदर मौजूद लैंगिक असमानता जैसी विभिन्न प्रकार की असमानताओं पर चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल स्तर पर तथा पर्यावरण के मोर्चे पर भी असमानता का उल्लेख किया और प्रतिभागियों को अपने स्तर पर भारत में समान सामाजिक व्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

महेंद्रगढ़। समापन सत्र के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी।

नांगल चौधरी। मेधावी प्रतिभाओं को पुरस्कृत करते प्रो. डा. टंकेश्वर सिंह।

बेटियों में होती है बेटों से भी अधिक प्रतिभा : डा. टंकेश्वर

- बैजनाथ चौधरी गर्ल्स कॉलेज में द्वितीय वार्षिकोत्सव एवं दिक्षांत समारोह संपन्न, मेधावी छात्राएं को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

बैजनाथ चौधरी गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्या डा. अनिता तंवर की अध्यक्षता में द्वितीय वार्षिकोत्सव एवं दिक्षांत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. टंकेश्वर कुमार व चौधरी बैजनाथ चेरीटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन गोविंद चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने छात्राओं को किताबी पढ़ाई के साथ संस्कारित होने की आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बेटियों में बेटों से दोगुणा अधिक प्रतिभा होती हैं, लेकिन कुशल मार्गदर्शन नहीं मिलने के कारण अधिकतर बेटियां निखार नहीं पाती और अबला होने की पहचान बना लेती हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत समाजसेवी चौधरी बैजनाथ की सोच दूरदर्शी व सकारात्मक थी, इसलिए उन्होंने बेटियों की उच्च शिक्ष के लिए करीब 15 करोड़ की लागत से भवन निर्माण कराया था। उन्होंने बेटियों को आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया, कहा कि सभी पढ़े-लिखे युवाओं को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वर्धमान सोसायटी के चेयरमैन एससी जैन, विशिष्ट अतिथि राकेश मेहता, रामानंद अग्रवाल, कॉलेज के रजिस्टार रमन यादव, डा. पूनम तंवर, डा. हरनाम सिंह, मनोज कुमार जाखड़, डा. मनोज कुमार, डा. ममता बायला, भवानी शंकर जोशी, रमेश तंवर, पवन मित्तल, कुलदीप जेलदार, बाबूलाल सेठ, प्रताप चौधरी मौजूद थे।

'विकास और सामाजिक परिवर्तन @75: एक प्रतिबिंब' विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय सैमिनार का समापन

सैमिनार के समापन सत्र के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 27 अप्रैल (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में समाजशास्त्र विभाग द्वारा विकास और सामाजिक परिवर्तन @75: एक प्रतिबिंब विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार के समापन हो गया।

सैमिनार के समापन सत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की प्रो. सुप्रीति व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ घर के अंदर मौजूद लैंगिक असमानता जैसी विभिन्न प्रकार की असमानताओं पर चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में डिजिटल स्तर पर तथा पर्यावरण के मोर्चे पर भी असमानता का उल्लेख किया और प्रतिभागियों को अपने स्तर पर भारत में समान सामाजिक व्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इसी क्रम में प्रो. सुप्रीति ने अपने संबोधन में विकास और सामाजिक परिवर्तन के विषय पर बात की और बताया कि समाजशास्त्र के विभिन्न विद्वानों ने इसे कैसे देखा।

उन्होंने सैमिनार में आयोजित विभिन्न सत्रों का उल्लेख करते हुए उनकी व्यापक विषयवस्तु और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रो. सुप्रिति और प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों के शैक्षणिक क्षेत्र को जीवंत और गतिशील बनाए रखने हेतु उनके प्रयासों के लिए बधाई दी।

इससे पूर्व में समापन सत्र की शुरूआत में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युधवीर ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात विभाग की प्रभारी डॉ. टी. लोंगकोई खियाम्नियुंगन ने प्रतिभागियों के समक्ष 2 दिवसीय सैमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

शिक्षकों और शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए लगभग 60 पत्र

उन्होंने कहा कि सैमिनार में अंग्रेजी, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, योग, पत्रकारिता एवं जनसंचार आदि विभिन्न विभागों के शिक्षकों व शोधार्थियों ने लगभग 60 पत्र प्रस्तुत किए।

इस आयोजन में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, आई.आई.टी. सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों से प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

सैमिनार में आयोजित विकास और महिला सत्र की अध्यक्षता डॉ. अभिरंजन ने की।

उन्होंने सैमिनार के विषय की प्रासंगिकता और भूमिका पर भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंत में विभाग की सहायक आचार्य तन्वी भाटी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के इतिहास विभाग से डॉ. कुलभूषण मिश्रा और समाजशास्त्र विभाग से डॉ. रीमा गिल के योगदान का भी उल्लेख किया।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग पर केंद्रित इस ई-व्याख्यान में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मोहिंद्र चंद विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मोहिंद्र चंद ने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में सबसे अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने वालों में से एक ट्रैवल एजेंसी व्यवसाय है। उन्होंने ट्रैवल एजेंसियों की अवधारणा, प्रकार और पर्यटन पेशेवरों के लिए उनकी उपयोगिता पर विस्तार से और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ चर्चा की।

कार्यक्रम की शुरूआत में विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के आयोजक डॉ. विवेक बाल्यान ने विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने कहा कि पर्यटन व्यवसाय में ट्रेवल एजेंसी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. अमित माथुर, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. अनिल कुमार सहित काफी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

'भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग' पर विशेषज्ञ व्याख्यान

महेंद्रगढ़ | हकेवि के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग पर केंद्रित इस ई-व्याख्यान में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मोहिंद्र चंद विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में औपचारिकताएं कम होनी चाहिए। साथ ही शिक्षक को एक मित्र व मार्गदर्शक की भूमिका के रूप में कार्य करना चाहिए।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मोहिंदर चंद ने रोजगार सृजन में भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के महत्त्व से अवगत कराते हुए कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में सबसे अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने वालों में से एक ट्रेवल एजेंसी व्यवसाय है। उन्होंने ट्रेवल एजेंसियों की अवधारणा, प्रकार और पर्यटन पेशेवरों के लिए उनकी उपयोगिता पर विस्तार से और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ चर्चा की। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के आयोजक डॉ. विवेक बाल्यान ने विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत विश्वविद्यालय पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आज की अधिकांश बड़ी ट्रैवल एजेंसियां बहुत ही कम राशि के साथ बहुत युवा उद्यमियों द्वारा शुरू की गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के व्याख्यान से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। व्याख्यान में डॉ. अमित माथुर, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. अनिल कुमार सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय पर्यटन पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा शुक्रवार को एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग पर केंद्रित इस ई-व्याख्यान में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मोहिंद्र चंद विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दी और यह भी कहा कि भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग देश को आत्मनिर्भर बनाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पंजाब केसरी
SAT,29 APRIL 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 2

हकेंवि में भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग देश को आत्मनिर्भर बनाने में निभा सकता है महत्वपूर्ण भूमिका: कुलपति

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते विशेषज्ञ। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 28 अप्रैल (परममजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग पर केंद्रित इस ई-व्याख्यान में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मोहिंद्र चंद विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग देश को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में औपचारिकताएं कम होनी चाहिएं। साथ ही शिक्षक को एक मित्र व मार्गदर्शक की भूमिका के रूप में कार्य करना चाहिए।

प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल पर विस्तार से डाला प्रकाश : विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मोहिंद्र चंद ने रोजगार सृजन में भारतीय पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के महत्त्व से अवगत कराते हुए कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में सबसे अधिक रोजगार के अवसर सृजित करने वालों में से एक ट्रैवल एजैंसी व्यवसाय है।

उन्होंने ट्रैवल एजैंसियों की अवधारणा, प्रकार और पर्यटन पेशेवरों के लिए उनकी उपयोगिता पर विस्तार से और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ चर्चा की।

उन्होंने इस व्यवसाय में उभरती प्रवृत्तियों और ट्रैवल एजेंसियों की बदलती भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

सवाल-जवाब सत्र के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दिया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम के आयोजक डॉ. विवेक बाल्यान ने विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया।

कार्यक्रम के अंत विश्वविद्यालय पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पर्यटन व्यवसाय में ट्रैवल एजैंसी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

आज की अधिकांश बड़ी ट्रैवल एजैंसियां बहुत ही कम राशि के साथ बहुत युवा उद्यमियों द्वारा शुरू की गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के व्याख्यान से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। व्याख्यान में डॉ. अमित माथुर, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. विकास सिवाच, डॉ. अनिल कुमार सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।